डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

विशेषांक

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 09 > अंक : 31 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

झूठ को हराने के लिए सत्य को युद्ध के मैदान में उतरना ही पड़ता है।
-शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर, शनिवार, 04 फरवरी 2023

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

अब जेडीए से है जंग पीआईएल के संग

गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान V/S जनहित याचिका (PIL)

आख़िर जेडीए गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान को दे दी गयी हाईकोर्ट में चुनौती

शालिनी श्रीवास्तव

गोपालपुरा बायपास के अवैध निर्माणों की कहानी मेरी ज़ुबानी

2025 के मास्टर टाउन प्लान को ताक में रखकर निजी स्वार्थों व निजी हित के चलते गोपालपुरा बायपास के मुख्य मार्ग पर आवासीय प्लॉट्स पर बनी ज़ीरो सेटबैक की अवैध बिल्डिंग्स को जेडीए द्वारा जेडीए गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान की आड़ में कमर्शियल पट्टा वितरण की आम सूचना 10 अगस्त 2022 को जेडीए द्वारा प्रकाशित करवाई गई कि जल्द ही जेडीए करेगा कमर्शियल पट्टा वितरण सबसे बड़ी बात जिन अवैध इमारतों के मालिक के पास पार्किंग नहीं है उनसे मात्र एक लाख रुपये पेनल्टी ली जा सकेगी और करतारपुरा पुलिया के पास पार्किंग को डवलप किया जा सकेगा यानी रिद्धि सिद्धि आने वाले आंगतुक, ग्राहक, 2-3 किमी दूरी पर वाहन पार्क करके या तो पैदल आएंगे या ऑटो करेंगे बड़ा ही बचकाना और हास्यपद व लालच भरा प्रोजेक्ट लेकर आया जेडीए। जेडीए ने व्यापारियों को आवासीय अवैध बिल्डिंग में कमर्शियल पट्टा देने का निर्णय लेकर गोपालपुरा की अवैध बिल्डिंग मालिकों से मिलकर सरकारी रेवेन्यू के साथ छेड़छाड़ और खिलवाड़ किया है।

गोपालपुरा बायपास व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन गोयल व प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त रवि जैन को आवसीय में कमर्शियल पट्टा वितरण का ज्ञापन सौंपा। सरकार के ज़िम्मेदार यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की सहमति,टाउन प्लानर्स की रणनीति के साथ अन्य औपचारिकताएं पूरी कर अवैध बिल्डिंग्स के मालिकों व व्यापारियों की झोली में जेडीए गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान की सौग़ात डाल दी गयी-

- सरकारी ख़ज़ाने के साथ छेड़छाड़ व खिलवाड़ करते हुए।
- आम जनता के हितों का हनन करते हुए।
- भ्रष्टाचार का ये चरम स्पेशल प्रोजेक्ट ऑफ डवलेपमेंट गोपालपुरा बायपास में बदल कर जेडीए ने दुनिया के सामने उपलब्धि के रूप में पेश किया।

गोपालपुरा बायपास व्यापार मंडल इस प्रोजेक्ट की क्रियान्विति का श्रेय लेकर अख़बारों व न्यूज़ चैनलों में सुर्खियाँ पा गया जबकि इनके अध्यक्ष महोदय पवन गोयल स्वयं एक बड़े भूमाफ़िया,अतिक्रमणकारी और अवैध निर्माणकर्ता हैं। जिनकी ज़ीरो सेटबैक की दो सफ़ारी होटल मुख्य मार्ग पर हैं जो पार्किंग के नाम पर सड़क को घेरे भी रखती है। इनका होटल ग्रीन विला नाले पर बसा है जो एक गेस्ट हाउस के रूप में संचालित है उसकी गतिविधियों, नक़्शा,लेआउट प्लान की चर्चा हम आगामी अंकों में अवश्य करेंगे मगर फ़िलहाल सरकार व प्रशासन की आँखों में धूल झौंककर या मिलीभगत कर जेडीए गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान लाया है उसे मेरे द्वारा यानी शालिनी श्रीवास्तव हाईकोर्ट में चुनौती दे दी गयी है।

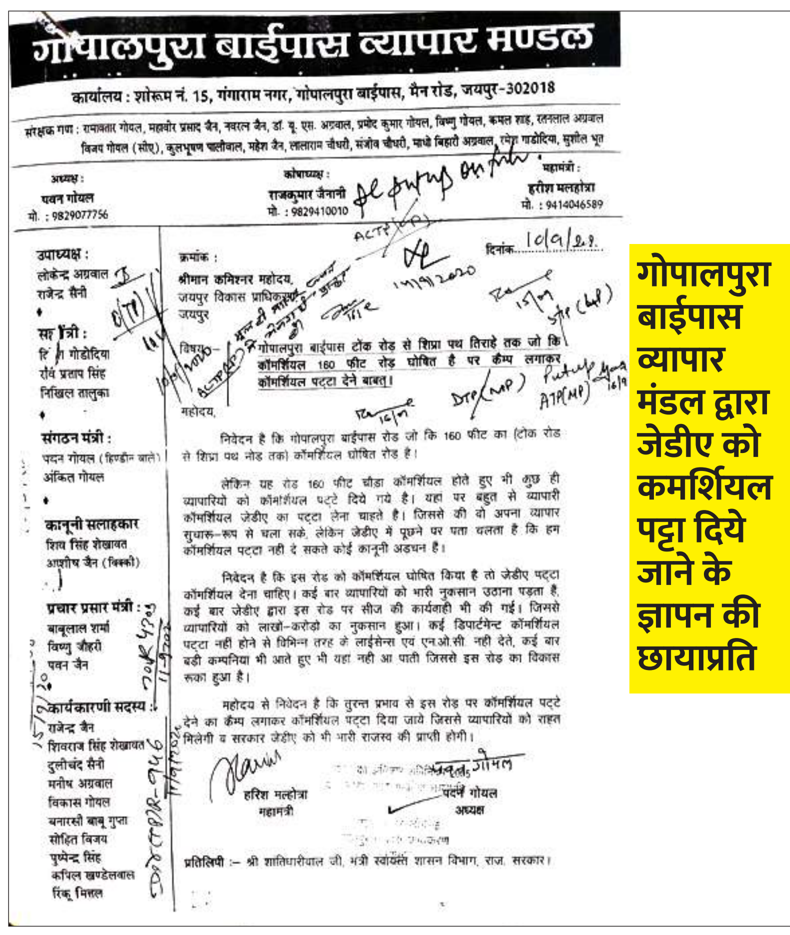

गोपालपुरा बाईपास व्यापार मण्डल

कार्यालय : शोरूम नं. 15, गंगाराम नगर, गोपालपुरा बाईपास, मैन रोड, जयपुर-302018

संरक्षक गण : रामावतार गोयल, महावीर प्रसाद जैन, नवरत्न जैन, डॉ. यू. एस. अग्रवाल, प्रमोद कुमार गोयल, विष्णु गोयल, कमल शाह, रतनलाल अग्रवाल विजय गोयल (सीए), कुलभूषण पालीवाल, महेश जैन, लालाराम चौधरी, संजीव चौधरी, माधो बिहारी अग्रवाल, रमेश गाडोदिया, सुशील भूत

अध्यक्ष : पवन गोयल मो. : 9829077756

कोषाध्यक्ष : राजकुमार जैनानी मो. : 9829410010

महामंत्री : हरीश मलहोत्रा मो. : 9414046589

उपाध्यक्ष : लोकेन्द्र अग्रवाल, राजेन्द्र सैनी

सह मंत्री : [illegible] गोडोदिया, रॉय प्रताप सिंह, निखिल तालुका

संगठन मंत्री : पदन गोयल (हिण्डौन वाले), अंकित गोयल

कानूनी सलाहकार : शिव सिंह शेखावत, आशीष जैन (विक्की)

प्रचार प्रसार मंत्री : बाबूलाल शर्मा, विष्णु जौहरी, पवन जैन

कार्यकारणी सदस्य : राजेन्द्र जैन, शिवराज सिंह शेखावत, दुलीचंद सैनी, मनीष अग्रवाल, विकास गोयल, बनारसी बाबू गुप्ता, सोहित विजय, पुष्पेन्द्र सिंह, कपिल खण्डेलवाल, रिंकू मित्तल

क्रमांक :

दिनांक 10/9/20

श्रीमान कमिश्नर महोदय,
जयपुर विकास प्राधिकरण,
जयपुर

विषय- गोपालपुरा बाईपास टोंक रोड से शिप्रा पथ तिराहे तक जो कि कॉमर्शियल 160 फीट रोड घोषित है पर कैम्प लगाकर कॉमर्शियल पट्टा देने बाबत्।

महोदय,

निवेदन है कि गोपालपुरा बाईपास रोड जो कि 160 फीट का (टोंक रोड से शिप्रा पथ मोड तक) कॉमर्शियल घोषित रोड है।

लेकिन यह रोड 160 फीट चौड़ा कॉमर्शियल होते हुए भी कुछ ही व्यापारियों को कॉमर्शियल पट्टे दिये गये है। यहां पर बहुत से व्यापारी कॉमर्शियल जेडीए का पट्टा लेना चाहते है। जिससे की वो अपना व्यापार सुचारू-रूप से चला सके, लेकिन जेडीए में पूछने पर पता चलता है कि हम कॉमर्शियल पट्टा नही दे सकते कोई कानूनी अड़चन है।

निवेदन है कि इस रोड को कॉमर्शियल घोषित किया है तो जेडीए पट्टा कॉमर्शियल देना चाहिए। कई बार व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है, कई बार जेडीए द्वारा इस रोड पर सीज की कार्यवाही भी की गई। जिससे व्यापारियों को लाखों-करोड़ों का नुकसान हुआ। कई डिपार्टमेन्ट कॉमर्शियल पट्टा नही होने से विभिन्न तरह के लाईसेन्स एवं एन.ओ.सी. नही देते, कई बार बड़ी कम्पनियां भी आते हुए भी यहां नही आ पाती जिससे इस रोड का विकास रूका हुआ है।

महोदय से निवेदन है कि तुरन्त प्रभाव से इस रोड पर कॉमर्शियल पट्टे देने का कैम्प लगाकर कॉमर्शियल पट्टा दिया जाये जिससे व्यापारियों को राहत मिलेगी व सरकार जेडीए को भी भारी राजस्व की प्राप्ती होगी।

हरिश मल्होत्रा
महामंत्री

पवन गोयल
अध्यक्ष

प्रतिलिपी :- श्री शांतिधारीवाल जी, मंत्री स्वायत्त शासन विभाग, राज. सरकार।

गोपालपुरा बाईपास व्यापार मंडल द्वारा जेडीए को कमर्शियल पट्टा दिये जाने के ज्ञापन की छायाप्रति

जनता की आवाज़ बना हिलव्यू समाचार जेडीए गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान की ग़लत नीति के विरुद्ध

राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर यानी न्यायपालिका का दरवाज़ा खटखटाना एक अंतिम चरण बचा था क्योंकि -जनता की जनता द्वारा जनता के लिए चुनी गयी सरकार में जब जनता के साथ न्यायसंगत व्यवहार न हो तो जनता के हित में जनहित याचिका लगाई जाती है।

- आम जनता के हितों के साथ खिलवाड़ किया गया हो
- आम जन के हित सरकार की किसी रीति,नीति या कार्यप्रणालियों से प्रभावित होते हों,
- क़ानून के विरुद्ध सरकार की रीति-नीति हो
- सरकारी ख़ज़ाने के साथ खिलवाड़ हो
- सरकारी रेवेन्यू किसी निजी स्वार्थ से प्रभावित होती हो

तो जनता के हित में जनहित याचिका घनघोर अंधकार में दिए की रोशनी का काम करती है।

सरकार नहीं बल्कि उसके ग़लत निर्णय के विरुद्ध एक बिगुल हमने बजाया है। रणभेरी बज उठी है जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रोजेक्ट जेडीए गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान के विरुद्ध। यह प्रोजेक्ट आम जनता के साथ नहीं पूरे देश के साथ धोखा है क्योंकि कोई भी सरकारी प्रोजेक्ट केवल धरातल पर पूरे नहीं होते बल्कि देश की आगामी योजनाओं का आधार व आदर्श भी बनते हैं ऐसे में ग़लत रीति-नीति से सफल हुए प्रोजेक्ट देश की जनता के साथ धोखा तो होते ही हैं बल्कि ग़लत व भ्रष्टाचारी लोगों के लिए आगे के रास्ते भी खोल देते हैं उनके भ्रष्टाचार की राहें और आसान हो जाती हैं।

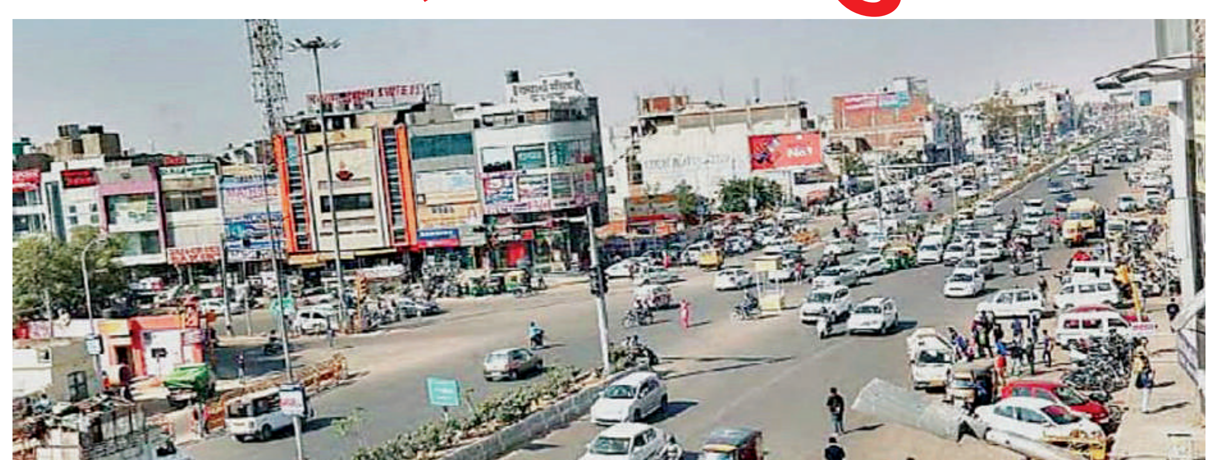

गोपालपुरा बायपास

गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलपमेंट प्लान पुस्तिका (RTI के तहत छायाचित्र श्वेत श्याम प्राप्त हुई है।)

मेरे (शालिनी श्रीवास्तव) द्वारा 25 अगस्त 2022 से लगातार सरकार व प्रशासन के सभी ज़िम्मेदार मन्त्रियों व अधिकारियों को जेडीए के जेडीए गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलपमेंट प्लान के सम्बंध में मय तथ्यों के आपत्ति पत्र लिखकर आगाह किया गया रजिस्टर्ड डाक द्वारा और पुनः स्मरण पत्र भी भेजे गए किंतु मेरे प्रयास सार्थक नहीं हुए क्योंकि कहीं से कोई जवाब या प्रतिक्रिया नहीं मिली। इन्हें भेजे गए थे पत्र...

- माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र
- मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार
- चीफ़ जस्टिस जोधपुर हाईकोर्ट
- चीफ़ जस्टिस जयपुर हाईकोर्ट
- यूडीएच मंत्री राजस्थान सरकार
- मुख्य सचिव राजस्थान सरकार
- ज़िला कलेक्टर,जयपुर
- पुलिस कमिश्नर जयपुर
- संभागीय आयुक्त,जयपुर
- आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण

पत्रों की प्रति आगामी अंक में।

गोपालपुरा बायपास के हालात एक नज़र में...

गोपालपुरा बायपास पर बिल्डिंग्स बायलॉज के विरुद्ध 90% इमारतें व कोचिंग बायलॉज के विरुद्ध सभी कोचिंग संचालित हो रहे हैं-

- किसी भी इमारत के पास पार्किंग नहीं है।
- अवैध रूप से बनी इन बिल्डिंग्स के पास जेडीए से निर्माण स्वीकृति नहीं है।
- अगर निर्माण स्वीकृति है तो स्वीकृति के अनुसार निर्माण नहीं है।
- दोनों ओर से इन इमारतों के वाहनों से मुख्य मार्ग की सड़क पार्किंग से घिरी हैं।
- यह अवैध बिल्डिंग आवासीय में कमर्शियल एक्टिविटी कर रही हैं।
- यह अवैध इमारतें व कोचिंग संस्थान स्थानीय आमजनों के हितों को गम्भीर रूप से प्रभावित कर रहीं हैं।
- सरकारी रेवेन्यू का हनन हो रहा है।
- बिना स्वीकृति, बिना फायर एनओसी,बिना वाटर हार्वेस्टिंग के बेसमैंट में कोचिंग्स चल रहे हैं।
- कोचिंग बायलॉज की धज्जियाँ उड़ रही हैं।
- ट्राफ़िक सुरक्षा के लिए ट्राफ़िक पुलिस यहाँ कभी नहीं देखी गयी है।
- करोड़ों अरबों की कमाई करते कोचिंग संचालकों व भवन के मालिकों द्वारा सुरक्षा या व्यवस्था गार्ड नहीं।

ज़ीरो सैटबेक अधिगम संस्थान गोपालपुरा बायपास धवस्त...तो बाकी पर मेहरबानी क्यूँ?

अगस्त 2022 से लगातार शासन-प्रशासन को आपत्ति दर्ज करवाता रहा है हिलव्यू समाचार

गोपालपुरा बायपास की अव्यस्थाओं व अवैध निर्माणों पर 14 अगस्त 2022 को मुख्य पृष्ठ पर प्रकाशन

14 अगस्त 2022 पृष्ठ न.8 की एक झलक-ज़ीरो सेटबैक पर खड़ी अनेक बिलडिंग्स

21 अगस्त 2022 हिलव्यू समाचार अंक जिसमें गोपालपुरा बायपास स्पेशल प्रोजेक्ट डवलेपमेंट प्लान के द्वारा सरकारी रेवेन्यू व मास्टर प्लान 2025 के साथ छेड़छाड़ व खिलवाड़ के लिए शासन-प्रशासन को आगाह किया गया।

28 अगस्त 2022 को गोपालपुरा बायपास की पार्किंग के नाम पर सड़क पर कब्जा व ट्राफ़िक जाम की सचित्र स्थिति का खुलासा कर शासन-प्रशासन व अनभिज्ञ जनता को जाग्रत करने वाला हिलव्यू समाचार अंक।

28 अगस्त 2022 प्रकाशित हिलव्यू समाचार का अंक

सम्पादकीय

सुविधाओं के साथ सुधारों की सौगात

बजट विकास दर को बल देने का भी काम करेगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2023-24 का बजट एक ऐसा रणनीतिक बजट है, जिसके एक ओर आर्थिक सौगात दिखाई दे रही है, तो दूसरी ओर विकास दर बढ़ाने वाली रणनीति। इसी कारण वित्त मंत्री ने वर्ष 2023-24 के लिए छह प्रतिशत से अधिक की विकास दर का अनुमान जताया, जो दुनिया की सबसे ऊंची वृद्धि दर होगी। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने राजकोषीय प्रबंधन का बेहतर रोडमैप प्रस्तुत करते हुए वित्तीय घाटे को जीडीपी के 5.9 प्रतिशत तक रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अमृत काल का यह पहला बजट चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक हालत में देश ही नहीं दुनिया भर में इसीलिए रेखांकित हो रहा है, क्योंकि उससे एक ओर भारत खाद्यान्न एवं ऊर्जा आपूर्ति के मददगार देश के रूप में दुनिया में नई भूमिका के लिए आगे बढ़ेगा, वहीं दूसरी ओर दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में 2026-27 तक पांच ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर के साथ-साथ विकसित अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की डगर पर आगे बढ़ता हुआ दिखाई देगा। बजट में वित्त मंत्री की एक मुट्ठी आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए खुली, वहीं दूसरी आर्थिक सुधारों संबंधी प्रविधानों के लिए खुलते हुए दिखाई दी।

बजट में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को गतिशील करने के लिए ऐसे कई प्रविधानों की एक श्रृंखला हैं, जिनसे निर्यात और विदेशी निवेश में वृद्धि, उपभोक्ता मांग में तेजी, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में बड़ा सुधार दिखाई देगा। रोजगार बढ़ाने के लिए बजट में वित्त मंत्री बुनियादी ढांचे पर अब तक के रिकार्ड पूंजीगत व्यय की रणनीति पर आगे बढ़ी हैं। उन्होंने वर्ष 2023-24 के लिए पूंजीगत व्यय को 10 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचाया है। चूंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग हब के रूप में उभरने की संभावनाएं रखता है, अतः वित्त मंत्री ने मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के लिए बजट में बड़े एलान किए हैं। बजट का चमकीला पक्ष नई पीढ़ी को नए तकनीकी दौर की जरूरतों से सुसज्जित करने का भी है।

बजट में युवाओं को सशक्त और समृद्ध बनाने के लिए एजुकेशन, इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप के क्षेत्र में कौशल कार्य योजना-4 की शुरुआत की है। इसके तहत कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआइ, रोबोटिक्स, मेक्ट्रोनिक्स, 3डी प्रिंटिंग, ड्रोन और साफ्ट स्किल्स जैसे प्रशिक्षण दिए जाएंगे। 47 लाख युवाओं को कौशल विकास के लिए वजीफा भी दिया जाएगा। यह तीन वर्ष के लिए होगा। वजीफे की राशि का युवाओं के खातों में नकद हस्तांतरण होगा। इतना ही नहीं युवाओं को अंतरराष्ट्रीय अवसरों के मद्देनजर तैयार करने के लिए देश में 30 स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर स्थापित होंगे। साथ ही युवाओं को 5जी सर्विस पर चलने वाले एप्लीकेशन बनाने के लिए प्रशिक्षित करने हेतु इंजीनियरिंग संस्थानों में सौ लैब बनाई जाएंगी।

इस बजट में खेती और किसानों के हितों को भी प्राथमिकता दी गई है। 20 लाख करोड़ रुपये के सरल कृषि ऋण फंड की व्यवस्था इसीलिए सुनिश्चित की गई है। प्राकृतिक खेती के लिए एक करोड़ किसानों के लिए पीएम प्रणाम योजना शुरू की जाएगी। कृषि क्षेत्र के लिए दिए गए प्रोत्साहन के कारण ग्रामीण मांग को बढ़ावा मिलेगा और इससे विनिर्माण में सुधार के साथ ही कृषि उत्पादों के रिकार्ड निर्यात हेतु प्रोत्साहन भी सुनिश्चित किए गए हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आर्थिक तस्वीर को बेहतर बनाने के लिए वित्त मंत्री बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों में सुधारों के लिए आगे बढ़ी हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को पटरी पर लाने के लिए नौ हजार करोड़ रुपये की जो नई क्रेडिट गारंटी योजना लाई गई है, वह समय की मांग थी। इसके साथ ही सरकार ग्रामीण आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण को आगे बढ़ाने के प्रभावी प्रविधान करते हुए दिखाई दी है। नए बजट में आतिथ्य सत्कार, पर्यटन और अन्य सेवाओं को समर्थन दिया गया है। इसके साथ ही रक्षा बजट में भी 13 प्रतिशत की आवश्यक वृद्धि की गई है।

मध्य वर्ग की टैक्स छूट में वृद्धि की अपेक्षा भी पूरी हुई है। नई कर छूटों से अनुमान है कि करीब 90 प्रतिशत आयकरदाता कर भुगतान से राहत पाएंगे। छोटे करदाताओं और मध्य वर्ग की मुश्किलों के बीच आयकर के नए प्रारूप वाले टैक्स स्लैब का पुनः निर्धारण किया गया है। नई टैक्स व्यवस्था में कुल सात लाख रुपये तक की कमाई वालों पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। इसके अलावा टैक्स स्लैब की संख्या सात से घटाकर पांच कर दी गई है। वित्त मंत्री ने महिला सम्मान बचत पत्र योजना का एलान भी किया है। इसके तहत महिलाएं दो साल तक दो लाख रुपये का निवेश कर सकेंगी। इस जमा पर टैक्स में छूट मिलेगी और 7.5 प्रतिशत का रिटर्न मिलेगा। महिलाओं के लिए यह अपनी तरह की पहली स्कीम है। यह आगे भी जारी रहनी चाहिए।

बजट से वरिष्ठ नागरिक विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। वस्तुतः, वित्त मंत्री ने अर्थव्यवस्था को गतिशील करने, रोजगार के अवसरों को बढ़ाने, निवेश को प्रोत्साहन देने तथा विभिन्न वर्गों को राहत देने के लिए आर्थिक प्रोत्साहनों से लैस जो बजट प्रस्तुत किया है, उसे अभूतपूर्व कहा जा सकता है। इससे एक ओर मध्य वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ेगी, जिससे नई मांग का निर्माण होगा और उद्योग-कारोबार की गतिशीलता बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर विकास दर आगे बढ़ती दिखाई देगी। बजट की सफलता के लिए बजट का लक्ष्य के अनुरूप समुचित क्रियान्वयन और राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण अहम होगा।

स्पोर्टी कॉम्पैक्ट SUV फ्रोंक्स 6 एयरबैग से लैस

मारुति सुजुकी ने अपनी कार बलेनो पर बेस्ड स्पोर्टी कॉम्पैक्ट एसयूवी फ्रोंक्स को अनवील कर दिया है. फ्रोंक्स में एक स्पोर्टी और एरोडायनामिक सिल्हूट है, जो इसे एक मस्कुलर स्टांस देता है. साथ ही **NEXWave** ग्रिल, क्रिस्टल ब्लॉक **LED DRLs** और एक प्रोग्रेसिव रूफलाइन भी देता है. इसमें आपको बेहतरीन अलॉय व्हील देखने को मिलती है.

यह कार कई बेहतरीन फीचर्स से लैस है. इसमें आपको 360 डिग्री कैमरा, हेडअप डिस्प्ले, वायरलेस चार्जर, पैडल सिफ्टर, 9-इंच एचडी स्मार्ट प्ले प्रो+ इंफोटेनमेंट सिस्टम, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन सिस्टम, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी देखने को मिलती है. इसमें आपको दो इंजन ऑप्शन देखने को मिलेंगे. इसमें एक 1.0-लीटर K-सीरीज टर्बो बूस्टरजेट इंजन देखने को मिलेगा. इसमें प्रोग्रेसिव स्मार्ट हाइब्रिड तकनीक है. यह 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और पैडल शिफ्टर्स के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक के विकल्प के साथ आएगी.

इसमें दूसरा एडवांस्ड 1.2L के-सीरीज डुअल जेट, डुअल VVT इंजन देखने को मिलता है, जो आइडल स्टार्ट स्टॉप तकनीक के साथ आता है. यह 5-स्पीड मैनुअल और AGS ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है. फ्रोंक्स को सुजुकी के सिग्नेचर HEARTECT प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है, जो एक मजबूत बॉडी स्ट्रक्चर सुनिश्चित करने के लिए हाई टेंसाइल और अल्ट्रा-हाई टेंसाइल स्टील का उपयोग करता है. यह कार 6 एयरबैग, थ्री-लाइन ईएलआर सीटबेल्ट, ईएसपी के साथ हिल होल्ड असिस्ट और रोल ओवर मिटिगेशन, एबीएस के साथ ईबीडी जैसे सेफ्टी फीचर्स से लैस है.

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बोलेरो नियो एसयूवी के लिमिटेड एडिशन को लॉन्च कर दिया है. लिमिटेड एडिशन बोलेरो नियो अपने टॉप एन10 वेरिएंट पर आधारित है. इसे स्टैंडर्ड वर्जन से कुछ अलग डिजाइन एलिमेंट और कॉस्मेटिक अपडेट के साथ लाया गया है.

बोलेरो नियो लिमिटेड एडिशन

लिमिटेड एडिशन बोलेरो नियो में नया रूफरेल, नए डिजाइन के फॉग लाइट, हेडलैंप **में** इंटीग्रेटेड एलईडी डीआरएल और डीप सिल्वर कलर में नया स्पेयर व्हील कवर **दिया** गया है. इसके केबिन में कई तरह के अपडेट हैं, इसमें डुअल टोन लेदरेट सीट **कवर**, हाइट एडजस्टेबल ड्राइवर सीट और नए ऐसी वेंट शामिल हैं. नियो लिमिटेड **एडिशन** में 7-इंच का नया टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है. इसमें रिवर्स पार्किंग कैमरा, क्रूज कंट्रोल, महिंद्रा ब्लू सेंस कनेक्टिविटी एप और स्टीयरिंग माउंटेड ऑडियो कंट्रोल भी मिल रहे हैं. इस एडिशन में कंपनी ने ड्राइवर सीट के नीचे स्मार्ट स्टोरेज स्पेस भी दिया है. बोलेरो नियो 4-मीटर से छोटी 7 सीटर एसयूवी है. इसकी तीसरी पंक्ति में साइड फेसिंग जम्प सीटें लगाई गई हैं. एसयूवी 1.5-लीटर एम-हॉक डीजल इंजन द्वारा संचालित है. यह इंजन 100 बीएचपी की अधिकतम पावर और 260 एनएम का टॉर्क पैदा करता है. इंजन को 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से जोड़ा गया है. लिमिटेड एडिशन (एन10) में कंपनी ने मेकैनिकल लॉकिंग डिफरेंशियल नहीं दिया है.

बीएमडब्ल्यू ने नई 3-सीरीज ग्रैन लिमोसिन लांच किया है जो दो वैरिएंट्स- 330**Li M** और 320**Ld M** स्पोर्ट में उपलब्ध होगी. पेट्रोल वर्जन में 2-लीटर 4-सिलेंडर यूनिट मिलता है जो अधिकतम 258 **hp** का पावर और 400 **Nm** का पीक टॉर्क जेनरेट करता है. यह 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार महज 6.2 सेकंड में पकड़ सकती है. डीजल वैरिएंट में 2-लीटर 4-सिलेंडर इंजन मिलता है. यह इंजन अधिकतम 190 **hp** का पावर जेनरेट करता है. इसका टॉर्क आउटपुट पेट्रोल वर्जन जितना ही है. दोनों इंजन 8 स्पीड स्टेपट्रॉनिक स्पोर्ट ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जुड़े हैं. डैशबोर्ड पर कर्व्ड डिस्प्ले लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम 8 पर काम करता है.

आएगा होंडा सिटी का फेसलिफ्ट

होंडा अपनी लोकप्रिय सिटी सेडान के फेसलिफ्ट मॉडल को लाने की तैयारी कर रही है. कंपनी सिटी के स्टैंडर्ड और हाइब्रिड, दोनों मॉडलों को अपडेट के साथ लाने वाली है. इनमें मामूली कॉस्मेटिक्स अपडेट देखने को मिल सकते हैं. वहीं पेट्रोल-हाइब्रिड मॉडल को एक नए ट्रिम में लाया जा सकता है. होंडा सिटी के इस मिड-लाइफसाइकिल अपडेट में कुछ डिजाइन ट्वीक्स किए जा सकते हैं. इसमें कार के बाहरी पैनल और केबिन के डिजाइन में कुछ बदलाव किया जा सकता है. इसमें नए डिजाइन का फ्रंट और रियर बंपर के साथ नए अलॉय व्हील्स भी मिलने की उम्मीद है. वहीं, इंटीरियर में वेंटिलेटेड सीट, वायरलेस चार्जर और नए एसी वेंट्स जैसे कई अपडेट मिलेंगे. होंडा सिटी हाइब्रिड (ईः एचईवी) का एक किफायती वेरिएंट उतार सकती है. वर्तमान में सिटी हाइब्रिड को केवल टॉप-स्पेक जेडएक्स ट्रिम में उपलब्ध किया जा रहा है. हाइब्रिड मॉडल का किफायती वेरिएंट लाने से पेट्रोल और हाइब्रिड का अंतर कम हो जाएगा. सिटी फेसलिफ्ट को 121 बीएचपी पॉवर वाले 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा, जो 6-स्पीड मैनुअल या सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से लैस होगा. इसमें 126 बीएचपी पावर वाला 1.5-लीटर पेट्रोल-हाइब्रिड एटकिंसन साइकिल इंजन भी होगा जो ई-सीवीटी ट्रांसमिशन के साथ आता है.

होंडा टू-व्हीलर ने एक्टिवा एच-स्मार्ट स्कूटर को लॉन्च कर दिया है. नए एच-स्मार्ट स्कूटर को 3 ट्रिम में लाया गया है. यह स्कूटर कई नए फीचर्स और आधुनिक तकनीक से लैस है. इस स्कूटर में मिलने वाला सबसे बड़ा अपडेट इसका नया 'स्मार्ट-की' सिस्टम है. इसके साथ ही एक्टिवा 6जी अब नए एंटीथेफ्ट सिस्टम से भी लैस हो गई है. नया स्मार्ट-की फीचर होंडा का एडवांस होंडा इग्निशन सिक्योरिटी सिस्टम (**HISS**) है जो स्कूटर को स्टार्ट और बंद करने के अलावा स्कूटर को सुरक्षित रखने का भी काम करता है.

एक्टिवा H-स्मार्ट स्कूटर में एंटीथेफ्ट सिस्टम

एक्टिवा एच-स्मार्ट में स्मार्ट-की को एक नए ईसीयू (ECU) से जोड़ा गया है. यह फीचर ठीक उसी तरह से काम करता है जैसे एक कार की स्मार्ट-की करती है. एक्टिवा एच-स्मार्ट में ग्राहक को स्कूटर के साथ एक स्मार्ट-की भी दी जाएगी. कंपनी इसे कुल 6 रंगों में ब्लैक अलॉय व्हील्स के साथ पेश कर रही है. इसका डिजाइन मौजूदा जनरेशन की एक्टिवा 6जी के जैसा है. इसमें सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी भी मिल रही है. इसमें एलईडी हेडलाइट के साथ बल्ब इंडिकेटर दिए गए हैं. स्कूटर के फ्रंट में टेलीस्कोपिक फोर्क सस्पेंशन दिया गया है. एक्टिवा एच-स्मार्ट में 109.51 सीसी का एयर-कूल्ड, सिंगल सिलेंडर, एफ-आई इंजन मिलता है जो 7.73 बीएचपी की अधिकतम पावर और 7.68 एनएम का पीक टॉर्क देता है.

कार में डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले फीचर

नई 3 सीरीज ग्रैन लिमोसिन

कार के अंदर दो स्क्रीन हैं- पहला मीडिया और अन्य कंट्रोल्स के लिए 14.9 इंच का डिस्प्ले है और दूसरा 12.3 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले है जो बीएमडब्ल्यू लाइव कॉकपिट प्लस फीचर जैसे 3डी नेविगेशन प्रदान करता है. इसमें वायरलेस चार्जिंग, एपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी, एंबिएंट लाइटिंग भी है. बीएमडब्ल्यू डिजिटल की प्लस स्टैंडर्ड तौर पर पेश कर रहा है. यह लाइटिंग इफेक्ट के साथ सिंक्रनाइज किए गए स्टाइलिश वेलकम नोट के साथ दरवाजों को ऑटोमैटिक तरीके से अनलॉक कर देता है.

खुद तापमान सेट करेगी बेंटले एक्सटेंडेड

बेंटले ने बेंटायगा का नया वर्जन एक्सटेंडेड पेश किया है. इसका व्हीलबेस 2995 सेमी की जगह 3175 सेमी हो गया है. यानी अब यह सामान्य के मुकाबले 180 एमएम ज्यादा बड़ी है. इसकी कुल लंबाई 5,322 एमएम हो गई है. इसमें सबसे ज्यादा आधुनिक सीटें हैं. इन्हें 22 तरीकों से एडजस्ट किया जा सकता है. इसमें दुनिया का पहला ऑटो क्लाइमेट सेंसिंग सिस्टम और पॉश्चर एडजस्टिंग तकनीक भी दी गई है. ऑटो क्लाइमेट सेंसिंग सिस्टम के जरिए कार खुद से ही यात्री के शरीर के तापमान के मुताबिक कार का टेम्प्रेचर सेट करने में मदद करती है. वहीं पॉश्चर एडजस्टिंग तकनीक के जरिए सीट को बैठने वाले के शरीर की बनावट के मुताबिक एडजस्ट किया जा सकता है, जिससे सफर के दौरान आराम और ज्यादा बढ़ जाता है. इसमें आराम बढ़ाने के लिए 16 एडजस्टमेंट दी गई हैं, जिसमें हीटिंग, वेंटिलेशन और 5 तरह के मसाज प्रोग्राम शामिल हैं.

न्यू 2023 बीएमडब्ल्यू X7 एसयूवी

इसके अलावा कंपनी ने न्यू 2023 बीएमडब्ल्यू X7 एसयूवी भी लांच किया है. इसके 2 वेरिएंट्स - xDrive40i M स्पोर्ट और xDrive40d M स्पोर्ट हैं. यह कार माइल्ड-हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस 2 इंजन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है. xDrive40i M स्पोर्ट वैरिएंट में 3.0-लीटर, 6-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलता है. जबकि xDrive40d M स्पोर्ट वैरिएंट में 3.0-लीटर डीजल इंजन मिलता है. 48V का इलेक्ट्रिक मोटर अतिरिक्त 12hp का पावर और 200 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है. दोनों इंजनों को 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और बीएमडब्ल्यू के एक्सड्राइव ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ जोड़ा गया है. SUV में 4 अलग-अलग ड्राइव मोड हैं - कम्फर्ट, एफिशिएंट, स्पोर्ट और स्पोर्ट प्लस.

ओमेगा Muse AC वाला इलेक्ट्रिक रिक्शा

इलेक्ट्रिक वाहनों की निर्माता ओमेगा सेकी मोबिलिटी ने म्यूज इलेक्ट्रिक ऑटोरिक्शा लॉन्च किया है जो भारत की सबसे एडवांस थ्री-व्हीलर है. **AC** वाला यह ई-रिक्शा कुछ ऐसे फीचर्स से लैस है जो कई और दूसरे इलेक्ट्रिक रिक्शा में नहीं मिलते हैं.

कंपनी ने इसमें एयर कंडीशनर दिया है जो गर्मियों में इसके केबिन को ठंडा रखेगा और यात्रियों को सुकून का सफर मिलेगा. यह दो सीटों वाला ई-रिक्शा है जिसमें 4 दरवाजे लगे हैं. यह इलेक्ट्रिक रिक्शा पूरी तरह पैक है जिस वजह से इसके केबिन के अंदर धूल-मिट्टी भी नहीं आती. इस रिक्शा में सामने एक बड़ा विंडस्क्रीन लगाया गया है जिससे ड्राइवर को अच्छी विजिबिलिटी मिलती है. साथ ही इसके दरवाजों पर भी बड़ी खिड़कियां दी गई हैं. पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए कार की तरह रूफ माउंटेड एसी वेंट्स दिए गए हैं. फुल चार्ज पर ओमेगा म्यूज को 150 किमी तक चलाया जा सकता है. यह ई-रिक्शा काफी एडवांस है. इसके डैशबोर्ड में एक बड़ा टचस्क्रीन इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है. साथ ही यह आईओटी तकनीक से भी लैस है. इस रिक्शा में पैसेंजर्स को बड़ा लेगरूम मिलता है. वहीं सामान रखने के लिए इसमें 200 लीटर का बूट स्पेस दिया गया है.

पौराणिक पवन घोड़े से प्रेरित बाइक

जावा 42 तवांग एडिशन स्टैंडर्ड वैरिएंट्स के जैसी ही है. इसमें 294.72cc, सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन मिलता है. यह इंजन 27 bhp का पावर और 26.84 Nm का पीक टॉर्क जेनरेट करता है. इस इंजन के साथ 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स दिया गया है. नई जावा 42 तवांग एडिशन स्पोर्ट्स स्ट्राइप ऑलस्टार ब्लैक वैरिएंट पर आधारित है. यह 'लुंगटा' से प्रेरणा लेता है जो इस क्षेत्र का एक पौराणिक पवन घोड़ा है जो समृद्धि का प्रतीक है. मोटरसाइकिल में फ्यूल टैंक और फ्रंट फेंडर पर लुंगटा मोटिफ के साथ-साथ बॉडी पैनल पर उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से प्रेरित अन्य शिलालेख हैं. स्पेशल एडिशन यूनिट्स को खास दिखाने के लिए हर मोटरसाइकिल को एक यूनिक संख्या वाला कांस्य पदक भी मिलता है.

एक नज़र

महिलाओं को स्मार्ट फोन देना प्रक्रियाधीन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राज्य सरकार ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को मुफ्त स्मार्ट फोन देने की योजना के अन्तर्गत बजट प्रावधान किया हुआ है। 2022 की बजट घोषणा के अनुसार मुख्यमंत्री डिजिटल सेवा योजना के तहत चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को तीन साल के इंटरनेट एक्सेस के साथ स्मार्ट फोन दिया जाना प्रक्रियाधीन है।

शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने प्रश्नकाल में इस संबंध में भाजपा विधायक कालीचरण सराफ के सवाल पर कहा कि इस योजना के लिए 1200 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। बाद में पूरक मांग में 3500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया और वर्तमान में 2600 करोड़ रुपए का प्रावधान किया हुआ है।

1.37 करोड़ परिवार चिरंजीवी योजना में पंजीकृत

कल्ला ने बताया कि राज्य सरकार ने बजट 2022 में यह योजना शुरू करने की घोषणा की थी, जिसमें एक करोड़ 33 लाख चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को स्मार्ट फोन दिए जाने हैं। प्रदेश में 30 जनवरी 2023 तक एक करोड़ 37 लाख 82 हजार 951 परिवार चिरंजीवी योजना में पंजीकृत हैं।

तीन आईपीएस के तबादले, एस. सेंगाथिर एडीजी इंटेलिजेंस

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में बढ़ती गैंगवार और जयपुर में क्लब पर हुई फायरिंग की घटना के बाद राज्य सरकार ने अपराध रोकने की कवायद शुरू कर दी है। इसी को लेकर प्रदेश में तीन आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। एस.सेंगाथिर को एडीजी इंटेलिजेंस पद पर लगाया है।

उमेश मिश्रा के डीजीपी बनने के बाद से करीब 3 माह से एडीजी इंटलीजेंस का पद खाली चल रहा था। मिश्रा एडीजी इंटलीजेंस के पद पर 2018 से सेवाएं दे रहे थे। इसके बाद अक्टूबर माह के अंत में मिश्रा को राज्य सरकार ने डीजीपी राजस्थान की कमान दी। तब से पद खाली था, लेकिन गैंगवार और आपराधिक वारदातों के चलते अब खाली पद को भरा गया है। हालांकि, मिश्रा इंटलीजेंस के एक्सपर्ट माने जाते हैं और 4 साल तक कमान संभाली।

सेंगाथिर रेंज आइजी से लेकर इंटलीजेंस और सीआईडी सीबी का पद संभाल चुके हैं। वहीं जयपुर कमिश्नरेट में भी डीसीपी क्राइम का पद खाली चल रहा था, लेकिन जैसे ही जयपुर में लॉरेंस के गुर्गों ने फायर की घटना को अंजाम दिया तो इस पद को भी करण शर्मा को कमान दी गई है। इससे आपराधिक वारदातों पर अंकुश लग सके। करण शर्मा को एसओजी में कार्य करने का अनुभव रहा है। गैंगस्टर्स आनंदपाल के एनकाउंटर जैसे ऑपरेशन में शर्मा विशेष भूमिका निभा चुके हैं। इसलिए गैंगस्टर्स को सलाखों के पीछे भेजने के लिए अनुभव के आधार पर करण शर्मा को इस पद पर जगह दी गई है तो ज्ञान चंद यादव को एसपी मुख्यमंत्री सुरक्षा लगाया गया है। यह पहले ही एडि. एसपी के पद पर सीएम सिक्योरिटी में ही तैनात थे। राजू ठेहट की हत्या से लेकर गैंगस्टर्स का बढ़ता वर्चस्व खुफिया सूचना की कमी की मानी जा रही है। इसलिए खाली पदों पर अनुभव के आधार पर पुलिस अधिकारियों को मंगलवार आधी रात बाद जारी हुए तीन आइपीएस की तबालदा सूची में जगह दी गई है।

विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के तीखे तेवर...

केन्द्र से कर्मचारियों की जमा राशि लेने जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि वे राज्य कर्मचारियों को शेयर मार्केट के भरोसे नहीं छोड़ेंगे। शेयर मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है। कर्मचारियों का पैसा वहां लगा हुआ है। पीएम को इसे लेकर जवाब देना चाहिए। गहलोत ने कहा कि केन्द्र के पास जमा पैसे को लेकर पीएम मोदी से बात की है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिल रहा है। न्यू पेंशन स्कीम का जो पैसा केन्द्र सरकार के पास जमा है, उसे हर हाल में वापस लिया जाएगा। वे इसको किसी भी सूरत में छोड़ने वाले नहीं है। जमा राशि को वापस लेने के लिए उनकी सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी।

विधानसभा में राज्यपाल अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए गहलोत ने कहा कि आज नहीं तो कल सभी को ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करनी पड़ेगी। सुरक्षा और न्यायिक कर्मचारियों पर यही स्कीम लागू है, लेकिन केन्द्र सरकार अर्थशास्त्रियों से बयानबाजी करवा कर खिलाफ माहौल बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिकूल हालात के बावजूद वर्ष 2021-22 में राज्य की आर्थिक विकास दर 11.04% रही, जो देश में आंध्र प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है। हमने 80 प्रतिशत वादों को पूरा किया है और 20 प्रतिशत वादों पर काम चल रहा है। सरकार ने 90 प्रतिशत बजटीय घोषणाओं की वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी है।

ERCP पर विपक्ष को बोले...

'दौसा आ रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी... मत चूको'

मुख्यमंत्री ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिलवाने के लिए विपक्षी दल भाजपा से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दौसा आ रहे हैं। दौसा की दूरी एक घंटे से ज्यादा नहीं है। उनके सामने सब मिलकर उनके वादे को याद दिलाएं। गहलोत ने कहा कि केन्द्र में जलशक्ति मंत्री गुमराह कर रहे हैं। मंत्री के पीछे 'संजीवनी' पड़ी हुई है। वे खुद संजीवनी घोटाले में अभियुक्त हैं। इसके बावजूद भी पता नहीं उनको इतना बड़ा पोर्टफोलियो कैसे मिल गया?

पेपर लीक में CBI क्या कर लेगी?

गहलोत ने पेपर लीक मामले में कहा कि सीबीआई ने कोई जांच पहले भी की है क्या? और जिन राज्यों में सीबीआई ने जांच की है वहां कोई परिणाम नहीं निकला। यूपी में तो एजेंसियों ने मना कर दिया कि हम तो पेपर के हाथ नहीं लगाएंगे। सभी राज्यों में पेपर लीक हो रहे हैं। बिहार, गुजरात, मध्यप्रदेश में भी पेपर लीक हुए हैं। हमने पेपर लीक प्रकरण में शामिल कर्मचारियों को बर्खास्त किया। यह मुद्दा ऐसा है जिसमें पक्ष-विपक्ष मिलकर तय करें कि भविष्य में पेपर लीक न हो। उन्होंने राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे कुछ नेता छात्रों को भड़काते हैं। वे छात्रों को बरगलाकर हाईवे पर धरना देकर बैठे हैं। उनको सरकार के साथ बैठकर समाधान निकालना चाहिए।

BJP पर साधा निशाना...

जन आक्रोश रैली में न तो जन, ना आक्रोश

गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चार साल में विपक्ष के नाते कोई आंदोलन खड़ा नहीं कर सके। जन आक्रोश यात्रा में न तो जन दिखे और ना ही आक्रोश। हालात यह रहे कि 9 उपचुनाव में से सात कांग्रेस ने जीते हैं, जबकि भाजपा शासन में हुए 8 उपचुनाव में से बीजेपी छह में हार गई थी।

विधानसभा में स्पीकर सख्त

गलत जानकारी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने मंगलवार को गलत जवाब देने पर अधिकारियों और मंत्रियों के खिलाफ सख्ती दिखाई। जोशी ने मंत्रियों को हिदायत देते हुए कहा कि विधानसभा में दिए जाने वाले उत्तर को संबंधित मंत्री सदन में रखने से पहले अच्छे से पड़ताल कर लें। नाराज अध्यक्ष ने कहा कि मंत्री महोदय, आपके माध्यम से सरकार के मंत्री और सारे अधिकारियों से कहना चाहता हूं कि विधानसभा में इस तरह से गैर जिम्मेदारी से प्रश्न का उत्तर आना हम सबके लिए चिंता का विषय है। सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि सदन में जो जवाब आए उसे मंत्रीगण अच्छी तरह से पड़ताल करने के बाद ही सदन में जवाब दें अन्यथा सदन की गरिमा खत्म हो जाएगी। प्रश्नकाल के दौरान सलूंबर के भाजपा विधायक अमृत लाल मीणा ने अपने प्रश्न पर श्रम मंत्री सुखराम विश्नोई की तरफ दिए गए उत्तर से संतुष्ट नहीं हुए। मंत्री की ओर से सदन में दिए गए उत्तर में मीणा ने एक विसंगति को उठाया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी ने इस सूचना को सही नहीं दिया है, मैं अपेक्षा करूंगा मंत्री उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद मंत्री ने सदन को आश्वासन दिया कि कार्रवाई की जाएगी।

वहीं एक अन्य मामले में अध्यक्ष ने बजट घोषणा में बदलाव के बारे में जानकारी प्रश्न के जवाब के साथ संबंधित मंत्री द्वारा दिए जाने की व्यवस्था के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट से मिली राहत, पार्षदों की बर्खास्तगी के आदेश रद्द

19 माह बाद फिर से कुर्सी संभालेंगे ग्रेटर निगम के तीन पार्षद

हिलव्यू समाचार
जयपुर। हाईकोर्ट ने पार्षदों की बर्खास्तगी के आदेश को रद्द कर दिया है। अब तीनों बर्खास्त हुए पार्षद एक बार फिर से कुर्सी पर बैठ सकेंगे। हाईकोर्ट जयपुर में बुधवार को जस्टिस इंद्रजीत सिंह की बेंच में हुई सुनवाई में यह आदेश जारी किए गए। पार्षदों की ओर से एडवोकेट आरएन माथुर, आरके डागा और अखिल ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट को तर्क दिया कि मामले में प्रार्थियों को सरकार ने सुनवाई का कोई मौका नहीं दिया है। यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। साथ ही बताया कि कोर्ट पहले इसी मामले में बर्खास्त हुई मेयर सौम्या गुर्जर के बर्खास्तगी आदेश रद्द कर चुका है और वह काम कर रही हैं। तर्कों और तथ्यों को सुनकर जस्टिस ने बर्खास्तगी को भी रद्द करने के आदेश जारी किए।

सरकार ने न्यायिक जांच में पाया था दोषी

गौरतलब है कि स्वायत्त शासन निदेशालय ने पिछले साल 22 अगस्त 2021 को आदेश जारी कर जयपुर ग्रेटर नगर निगम के वार्ड 72 से भाजपा के पार्षद पारस जैन, वार्ड 39 से अजय सिंह और वार्ड 103 से निर्दलीय पार्षद शंकर शर्मा को पद से बर्खास्त कर दिया था। इससे पहले सरकार ने 6 जून 2021 को महापौर सौम्या गुर्जर सहित तीनों को निलंबित किया था। इन सभी को तत्कालीन ग्रेटर निगम के कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव के साथ 4 जून को हुई मारपीट, धक्का-मुक्की और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में दोषी माना गया था।

सरकार्यवाह बोले- संघ को समझने के लिए दिमाग नहीं दिल से सोचें

संघ राइट विंग और लेफ्ट विंग नहीं, हम नेशनलिस्ट

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कहा है कि हम राइट विंग भी नहीं और लेफ्ट विंग भी नहीं हैं। हम नेशनलिस्ट हैं। संघ सिर्फ राष्ट्र हित में काम करने वाला है। बुधवार को एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघः कल, आज और कल विषय पर आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान में सरकार्यवाह कहा कि भारत में रहने वाले सभी हिन्दू हैं, क्योंकि उनके पूर्वज हिन्दू थे। उनकी पूजा पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन उन सभी का डीएनए एक है। उन्होंने कहा कि संघ केवल शाखा लगाएगा, लेकिन संघ के स्वयंसेवक सभी कार्य करेंगे। होसबले कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से ही भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया का नेतृत्व करेगा। संघ भारत के सभी मत और संप्रदाय को एक मानता है। अपने मत संप्रदाय की चीजों को बरकरार रखते हुए लोग संघ कार्य कर सकते हैं। संघ रिजिड नहीं है, बल्कि फ्लेक्सिबल है। उन्होंने कहा कि कहा कि संघ को समझने के लिए दिमाग नहीं दिल चाहिए। केवल दिमाग से काम नहीं चलता। दिल और दिमाग बनाना ही संघ का काम है। जीवन क्या है, जीवन के लक्ष्य क्या है ये भी जानें। उन्होंने कहा कि संविधान अच्छा है और चलाने वाले खराब है तो संविधान भी कुछ नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हमारी अगली पीढ़ी सामाजिक कलंक आगे लेकर नहीं जाए ये ध्यान रहे। इसलिए पर्यावरण की रक्षा जल, जमीन और जंगल की रक्षा करनी होगी। हमें भारत की अस्मिता और अस्तित्व के लिए समाज को सक्रिय रखना पड़ेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि देश में लोकतंत्र की स्थापना में आरएसएस की भूमिका रही।

संघ ने हर दर्द को सहा और कहा एन्जॉय द पेन

होसबोले ने कहा कि देश में आज संघ समाज जीवन के सभी क्षेत्रों में सक्रिय हैं, यदि कहीं विपदा आती है तो संघ के स्वयंसेवकों को ही याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि संघ ने हर दर्द को सहा और कहा एन्जॉय द पेन। संघ एक जीवन पद्धति और कार्य पद्धति है। संघ एक जीवन शैली है और संघ आज एक आंदोलन बन गया है। हिंदुत्व के सतत विकास के आविष्कार का नाम आरएसएस है। संघ के सैकड़ों लोगों की हत्याएं हुई, लेकिन संघ के कार्यकर्ता डरे नहीं हैं। संघ सिर्फ राष्ट्र हित में काम करने वाला है।

डीजीपी उमेश मिश्रा की पहल

गुमशुदा बच्चों को बरामद करने पर 'पुलिस' को मिलेगा गैलेंट्री प्रमोशन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में साल दर साल गुमशुदा होने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पुलिस महानिदेशक राजस्थान ने विशेष आदेश जारी किए हैं।

इन नए आदेशों के तहत गुमशुदा बच्चों को बरामद करने पर कॉन्स्टेबल को हैड कॉन्स्टेबल और एएसआई को एसआई के पद पर गैलेंट्री प्रमोशन मिलेगा। डीजीपी उमेश मिश्रा की ओर से जारी हुए आदेश के अनुसार एक पुलिसकर्मी को एक साल में 85 बच्चों को दस्तायब करना होगा। इसमें 14 वर्ष से कम आयु के 25 बच्चों को और 18 साल से कम उम्र के 60 बच्चों को ढूंढ कर लाना होगा। गुमशुदा होने पर हर साल इन बच्चों को बरामद करने वाले कांस्टेबल, हैड कॉन्स्टेबल और सहायक उप निरीक्षक स्तर को निर्धारित कोटे की रिक्तियों के अनुसा विशेष पदोन्नति दी जाएगी।

हर साल 20 हजार लोग होते हैं गायब

प्रदेश में हर साल औसतन 20 हजार लोग लापता होते हैं। इनमें सभी उम्र के लोग शामिल हैं। गत चार सालों में राजस्थान से 80 हजार लोग लापता हुए हैं। इनमें करीब 15 हजार से अधिक नाबालिग शामिल हैं। हालांकि, नाबालिगों को ढूंढ कर लाने में पुलिस ने जबरदस्त मेहनत की है और उन्हें दस्तायब कर उनके परिजनों को वापस सुपुर्द किया है, लेकिन 2019 से 2022 तक करीब सभी उम्र के 12 हजार से अधिक लोग पुलिस में मिसिंग रिपोर्ट दर्ज होने के बाद कभी भी वापस नहीं लौटे। इनमें नाबालिगों की संख्या लगभग 800 रही।

नाबालिग हो रहे गैंग्स में शामिल

एक्सपर्टस की माने तो हाल ही में सीकर के राजू ठेहट मर्डर कांड से लेकर जयपुर के जी क्लब में हुई फायरिंग की वारदात को अंजाम देने वालों में नाबालिग भी शामिल थे। वहीं, कई राज्यों में ऐसी गैंग्स बच्चों की तस्करी से जुड़ी हुई है जो उन्हें प्रोस्टीट्यूशन से लेकर भीख मांगने के धंधे में लिप्त कर रहे हैं। इसके अलावा लापता बच्चों पर गैंगस्टर्स से लेकर तस्करों की नजर भी होती है या फिर यह उन गैंग्स के संपर्क में होते हैं, जो बच्चों की तस्करी करते हैं। यह ऐसे बच्चों को लालच देकर उनसे मादक पदार्थ, हथियार तस्करी सहित अन्य आपराधिक प्रवृतियों के लिए इन्हें प्रेरित कर सकते हैं।

कभी-कभी गुमशुदा की मिलती है लाश

वहीं, कई केसेज में ऐसे भी हुआ है कि जिसमें व्यक्ति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई हो और फिर उसकी लाश मिली हो। हाल ही 1 माह पहले विद्याधर नगर में ऐसा ही एक मर्डर हुआ था, जिसमें एक महिला की उसके ही भतीजे ने हत्या कर शव को ग्राइंडर से काट कर जंगल में फेंक दिया था और उसकी मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। अभी पुलिस मुख्यालय ने सिर्फ बच्चों को ढूंढने पर पुलिसकर्मियों को विशेष पदोन्नति देने का ऐलान किया है, लेकिन अभी 18 से अधिक उम्र के लोगों को ढूंढने पर पदोन्नति व प्रमोशन को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है।

हिलव्यू समाचार

प्रदेश

जयपुर, शनिवार, 04 फरवरी 2023

आरटीडीसी चेयरमैन राठौड़ ने पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों को किया संबोधित

मिशन 156 से कांग्रेस की सरकार होगी रिपीट

हिलव्यू समाचार

अजमेर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में मिशन 156 से आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। निगम अध्यक्ष राठौड बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से चलाए जा रहे हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं पूर्व विधायक डॉ. राजकुमार जयपाल के निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर निगम अध्यक्ष राठौड़ का नगर निगम अजमेर के पार्षदों ने 51 किलो फूलों की माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश जोड़ने के लिए जब राहुल गांधी ने लगभग 4000 किलोमीटर की पदयात्रा कर सकते हैं तो हमारा फर्ज है कि उनके पदचिह्नों पर जनता के बीच जाएं। कांग्रेस के हर नेता और कार्यकर्ता को कार्यक्रमों में हिस्सा लेना होगा और जनता के बीच जाना होगा। अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, पूर्व जिला प्रमुख रामस्वरूप चौधरी, पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती, महेंद्र सिंह रलावता, वरिष्ठ नागरिक जन के उपाध्यक्ष राजेश टंडन, उद्योगपति राजेंद्र गोयल, कांग्रेस सेवा दल की कार्यकारी अध्यक्ष द्रोपती कोली, शिव कुमार बंसल, नोरत गुर्जर, शक्ति प्रताप सिंह राठौर आदि ने विचार व्यक्त किए।

चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया केंद्रीय बजट को झूठ का पुलिंदा

राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष राठौड़ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश केंद्रीय बजट 2023 24 को जुमला बजट बताया है। निगम अध्यक्ष राठौड ने बताया कि वर्ष 2023 में 9 राज्यों मे विधानसभा चुनाव एवं 2024 में लोकसभा चुनाव को भाजपा ने एक बार फिर झूठ का पुलिंदा देश के सामने परोसा है। केंद्र सरकार ने देश में पर्यटन एवं पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। गत वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में पूरे देश में ₹24 सौ करोड पर्यटन एवं पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने पर खर्च करने का वादा किया था।

केंद्र की नाकामी घर-घर पहुंचाएंगे

निगम अध्यक्ष राठौड ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि राहुल गांधी के संदेश, कांग्रेस सरकार की फ्लैगशिप योजनाएं और मोदी सरकार की नाकामी को घर-घर पहुंचाएं। राजस्थान में हमारी सरकार है, इसलिए जनता हमसें अपेक्षा करती है। भारत जोड़ो यात्रा की क्रांति देश को नई दिशा देगी। निगम अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि नफ़रत और डर के खिलाफ 4000 किलोमीटर की यात्रा करके राहुल गांधी ने प्रजातंत्र को मजबूत किया है। देश के प्रमुख मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की आमदनी को लेकर भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के संदेश का पूरा देश साक्षी बना है। उन्होंने कहा कि हम लोगों की समस्याएं सुनकर समाधान करेंगे।

एक नज़र

सहायक अधिकारी को बनाया निशाना

साइबर ठगों ने रिफंड का झांसा देकर उड़ाए 96 हजार रुपए

हिलव्यू समाचार

अलवर। ऑनलाइन खरीददारी के बाद ऑर्डर गलत आने पर रुपए रिफंड करने के नाम पर साइबर ठगों ने एक महिला अधिकारी को ठगी का शिकार बना लिया। महिला अधिकारी ने ऑनलाइन शॉपिंग की थी। ऑर्डर के अनुसार माल नहीं मिलने पर महिला अधिकारी ने गूगल से नम्बर सर्च कर शिकायत की तो ठगों पैसे वापस देने का आश्वासन देकर उसके खाते से 96 हजार रुपए उड़ा लिए। पूरा मामला अलवर के सहकारी विभाग का है। विभाग के उप रजिस्ट्रार कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी पद पर कार्यरत पीड़ित सोनिया खत्री ने बताया कि 25 जनवरी को उन्होंने फेसबुक पर एक साइट पर जाकर ऑनलाइन शॉपिंग की थी। उन्होंने लेडीज सूट मंगाए थे। आर्डर गलत आने पर उन्होंने उस साइट के नंबर गूगल पर जाकर सर्च किए। जब नंबर मिला तो उन्होंने कस्टमर केयर पर बात की। जिस पर उन्हें रिफंड का आश्वासन दिया गया। कस्टमर केयर पर बात करने वाले व्यक्ति ने मोबाइल के 5 डिजिट डलवाए जैसे ही ये नंबर डाले उनके खाते से 8059 रुपए ट्रांसफर हो गए।

तीन बार नम्बर बताकर खाते से उड़ाए रुपए

खाते से पैसे कटने पर सोनिया खत्री ने ऑब्जेक्शन किया तो कस्टमर केयर पर बात करने वाले व्यक्ति ने उनसे कहा कि आपने गलत डिजिट डाल दी अब आप 80059 का डिजिट डालो। जैसे ही सोनिया ने यह नंबर टाइप किया तो उतनी ही राशि उनके खाते से फिर गायब हो गई। इस पर उन्होंने विरोध जताया तो फिर उनसे कहा गया कि हमने आपको दूसरा नंबर बताया था लेकिन आपने गलत नंबर डायल कर दिया। फिर उन्होंने 8059 नम्बर टाइप किया। जैसे ही ये नंबर टाइप किए वैसे ही फिर से रुपए उनके अकाउंट से चले गए। इस तरह अधिकारी के खाते से 96 हजार रुपए साफ हो गए। इसके बाद उन्होंने साइबर थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई।

G-20 सम्मेलन: पहले दिन प्रथम रोजगार कार्य समूह की बैठक में शामिल हुए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञ

वैश्विक कौशल व सामंजस्य रणनीतियों की खोज पर चर्चा

हिलव्यू समाचार

जोधपुर। जोधपुर में 2 से 4 फरवरी तक आयोजित होने वाले भारत के जी-20 प्रेसीडेंसी के तहत गुरुवार को पहले दिन प्रथम रोजगार कार्य समूह की बैठक हुई।

इसमें श्रम और रोजगार मंत्रालय ने वैश्विक कौशल और योग्यता के सामंजस्य के लिए रणनीतियों की खोज और सामान्य कौशल वर्गीकरण के लिए एक रूपरेखा विकसित करने को ध्यान में रखते हुए चर्चा की गई।

इसके तहत 'वैश्विक कौशल में अंतर' विषय पर पैनल के सदस्यों ने विचार प्रकट किए। चर्चा में जी 20 देशों, अतिथि देशों, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संगठनों और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। केंद्र और राज्य सरकार की कई एजेंसियों के अधिकारियों, उद्योग निकायों, शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों और लेबर-20 एंगेजमेंट ग्रुप के अध्यक्ष ने भी इसमें भाग लिया। पैनल चर्चा कौशल की कमी, अधिशेष और बेमेल कौशल के वैश्विक रुझानों पर केंद्रित थी और उसमें इनसे पार पाने के साधनों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही वैश्विक कौशल और योग्यता के सामंजस्य के लिए एक सहयोगी रोड मैप का तैयार करने की बात हुई।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग व संवाद पर बल

पैनलिस्टों ने वैश्विक स्तर पर कौशल और योग्यता के सामंजस्य के प्रयासों की वर्तमान स्थिति पर दृष्टि डाली। इससे अधिक विस्तृत स्तर पर कौशल साझा करने व सामंजस्य बनाने की आवश्यकता पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। इसमें कौशल और योग्यता क्षेत्र को आगे बढ़ाने और अधिक सामंजस्यपूर्ण और समावेशी वैश्विक कौशल परिदृश्य बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। पैनल अध्यक्ष ने पैनल सदस्यों की ओर से गई सिफारिशों का सारांश पेश करते हुए कौशल और प्रमाणन पर आपसी मान्यता, कौशल सामंजस्य और द्विपक्षीय-बहु-पार्श्व साझेदारी पर अन्तरराष्ट्रीय संवाद और सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव अतुल कुमार तिवारी ने इस चर्चा की अध्यक्षता और संचालन किया। पैनल में संबंधित क्षेत्रों के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल थे।

दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े, आधा दर्जन वारदातें कबूली

एटीएम लूट गिरोह का पर्दाफाश पूर्व सरपंच निकला मास्टर माइंड

हिलव्यू समाचार

अलवर। पुलिस ने एटीएम लूट गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पिछले महीने बहरोह कस्बे में लूटे गए एटीएम वारदात का खुलासा किया है। खास बात ये है कि इस वारदात का मास्टर माईंड घासेड़ा का पूर्व सरपंच है। वारदात में पूर्व सरपंच का भतीजा भी शामिल है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मास्टर माईंड सहित लूट की वारदात में शामिल शेष तीन आरोपियों की तलाश कर रही है। गिरोह ने पिछले महीने बहरोड में एटीएम को लूट लिया था। भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार ने बताया कि 28 दिसंबर की रात बहरोड़ कस्बे के मिड-वे के पास स्थित एटीएम से बदमाश साढ़े 15 लाख रुपए लूटकर ले गए थे। डीएसटी प्रथम और द्वितीय टीम ने साइबर सेल की मदद से बदमाशों की लोकेशन का पता लगाया। दो एटीएम लूट के आरोपियों की लोकेशन मेवात में पाई गई। जिस पर टीम ने दबिश देकर हरियाणा के पलवल से दो बदमाशों गिरफ्तार किया है।

डीएसटी टीम ने साइबर सेल की मदद से बदमाशों को पकड़ा

पूर्व सरपंच करता था गैंग को ऑपरेट

पकड़े गए दोनों आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया एटीएम लूट का मास्टरमांइड घासेड़ा का पूर्व सरपंच अशरफ है। वही आरोपियों को गाड़ी और पैसे मुहैया कराता था। मास्टरमाइंड के इशारे पर ही पूर्व सरपंच का भतीजा और अन्य साथी एटीएम लूट की वारदातों को अंजाम देते थे। एटीएम लूट के बाद आरोपी पूर्व सरपंच के घर पहुंचकर पैसों का बंटवारा करते थे। मास्टर माइंड अशरफ किसी आरोपी को एक लाख तो किसी को दो लाख देता था और बाकी रुपए अपने पास रखता था।

आरोपियों ने इन जगहों पर लूट थे एटीएम

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने प्रदेश के कई जिलों में आधा दर्जन से अधिक एटीमए लूट की वारदात कबूल की है। साथ ही आरोपियों ने बताया कि उन्होंने बहरोड़, कोटपुतली व शाहपुरा में एटीएम लूटे थे । लेकिन, नीमराणा और अलवर में वो एटीएम लूटने में नाकामयाब रहे थे।

कनिष्ठ सहायक 2500 की घूस लेते गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

झालावाड़। जिले के दहीखेडा गांव मे गुरुवार को एसीबी टीम ने पंचायत के कनिष्ठ सहायक पंकज गौतम को मकान का पट्टा बनाने की एवज में 2500 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों धर-दबोचा। जानकारी के अनुसार झालावाड एसीबी की यूनिट को परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके भाई के नाम से मकान का पट्टा बनाने की एवज में दहीखेडा पंचायत का कनिष्ठ सहायक पंकज गौतम 2500 रुपए की रिश्वत राशि की मांग कर परेशान कर रहा है। इस पर एसीबी टीम ने शिकायत का सत्यापन कराया। इसके बाद ट्रेप की।

गोरक्षा दल की टीम ने पीछाकर पिकअप को पकड़ा

तस्करों से गोकशी के लिए ले जा रहे गोवंश को कराया मुक्त

हिलव्यू समाचार

अलवर। भिवाड़ी व कोटकासिम गो रक्षा दल की टीम ने मंगलवार रात 12 बजे पांच गोवंश को गोकशी के लिए ले जा रही एक पिकअप को पीछा कर कोटकासिम के कादया चौराहे पर पकड़ लिया। इस दौरान तस्कर पिकअप गाड़ी को कादया मोड़ पर छोड़ कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार गो तस्कर नांगल चौधरी की तरफ से पिकअप को मिर्जापुर की तरफ लेकर जा रहे थे। भिवाड़ी गोरक्षा टीम को इसकी सूचना लगी तो टीम ने कादैया मोड़ पर कीलो का पट्टा सड़क पर डाल दिया। जैसे ही गोवंश से भरी पिकअप वहां से गुजरी तो पट्टे में लगी कील पिकअप के टायरों में चुभ गई और पिकअप का एक टायर पर फट गया।

तीन दिवसीय कोटा महोत्सव का शुभारम्भ शुरू, कला और संस्कृति के बरसेंगे रंग

बम ढोल रसिया, चकरी व सहरिया नृत्य की प्रस्तुति से आगाज़

हिलव्यू समाचार

कोटा। हाडौती का प्रमुख पर्यटन एवं सांस्कृतिक पर्व कोटा महोत्सव का आगाज शुक्रवार को उम्मेदसिंह स्टेडियम में किया जाएगा।

कोटा महोत्सव का शुभारम्भ भरतपुर के बम ढोल रसिया कलाकारों एवं हाडौती के चकरी व सहरिया नृत्य कलाकारों की प्रस्तुति के साथ होगा। इसमें पहली बार सैकड़ों कलाकार एक साथ प्रस्तुति देकर रिकॉर्ड बनाएंगे। उम्मेदसिंह स्टेडियम में ही साफा बांध प्रतियोगिता, दादा-पोता दौड़, रस्सा-कस्सी, मटका दौड़, मूंछ प्रतियोगिता तथा एडवेंचर गतिविधियां आयोजित की जाएगी। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने बताया कि कोटा महोत्सव के शुभारम्भ समारोह के साथ ही तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू होंगे। इसी दिन दोपहर 12 बजे आर्ट गैलेरी में फोटो प्रदर्शनी, रंगोली, मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित होंगी। किशोर सागर तालाब की पाल पर दोपहर 2 बजे पुष्प प्रदर्शनी, 4 बजे फूड फेस्टिवल का उद्घाटन उम्मेद क्लब ग्राउंड तथा किशोर सागर तालाब की पाल पर शाम 6 बजे चम्बल आरती होगी। उम्मेद सिंह स्टेडियम में शाम 7.30 बजे मेगा कल्चरल नाइट में पश्चिम क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर एवं राजस्थान के ख्यातनाम कलाकारों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

हेरिटेज वॉक, डॉग शो व वाटर स्पोट् र्स भी रहेगा खास

जिला कलेक्टर ने बताया कि महोत्सव के तीसरे दिन 5 फरवरी रविवार को सुबह 8 बजे महात्मा गांधी स्कूल से गढ़ पैलेस तक हेरिटेज वॉक, सुबह11 से शाम 5 बजे तक सेवन वंडर पार्क में डॉग शो का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार सुबह 10 से शाम 5 बजे तक साहसिक गतिविधियां उम्मेद सिंह स्टेडियम में होंगी। किशोर सागर में वाटर स्पोर्टस गतिविधियां, तालाब की पाल पर फ्लॉवर शो, आर्ट गैलेरी में फोटो प्रदर्शनी, फूड फेस्टिवल स्टेडियम में जारी रहेंगी। मेगा कल्चरल नाइट में इंडियन आइडल फेम सवाई भाट महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम शाम 7 बजे प्रस्तुतियां देंगे। इसी के साथ कोटा महोत्सव का आतिशबाजी के बीच समापन होगा। कोटा महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन, नगर विकास न्यास, नगर निगम कोटा उत्तर एवं दक्षिण तथा पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। तीन दिन के आयोजनों में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

दूसरे दिन भी हुए खेलकूद, फैशन शो सहित कई आयोजन

जिला कलक्टर ने बताया कि महोत्सव के तहत दूसरे दिन 4 फरवरी शनिवार को अभेड़ा बायोलोजिकल पार्क में सुबह 8 बजे नेचर वॉक का आयोजन किया गया। महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक एडवेंचर गतिविधियां, किशोर सागर तालाब में वाटर स्पोटर्स गतिविधियां, किशोर सागर पाल पर, आर्ट गैलेरी में फोटो प्रदर्शनी, सुबह 10 से रात्रि 8 बजे तक उम्मेद क्लब मैदान में फूड फेस्टिवल, सुबह 10 से 8 बजे तक किशोर सागर की पाल पर पुष्प प्रदर्शनी, शाम 5.30 बजे सेवन वंडर्स पर कोटा डोरिया साड़ी फैशन शो का आयोजन आकर्षण का केन्द्र रहा। महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में 7.30 बजे से सांस्कृतिक संध्या में विश्व प्रसिद्ध कबीर कैफे बैंड की ओर से प्रस्तुतियां दी गई।

एक नज़र

मरू महोत्सव आज से, सेंड आर्टिस्टों की कलाकृतियां मोहेंगी

हिलव्यू समाचार
जेसलमेर। अन्तरराष्ट्रीय मरू महोत्सव में देशी-विदेशी सैलानियों को अनेक मनमोहक प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। महोत्सव का शुभारम्भ शुक्रवार को सोनार दुर्ग स्थित भगवान लक्ष्मीनाथजी मंदिर से निकलने वाली शोभायात्रा से होगा। इससे पूर्व सुबह 8:30 बजे भगवान आरती होगी। सुबह 9.30 बजे शोभायात्रा रवाना होगी जो कि मुख्य बाजार होती हुई सुबह 10.30 बजे शहीद पूनम सिंह स्टेडियम पहुंचेगी। शोभायात्रा में कालबेलिया नृत्य सहित अन्य लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देते हुए साथ चलेंगे।

वहीं बीएसएफ के ऊंट और कैमल टैटू बैंड, सजे-धजे ऊंटों पर मिस्टर डेजर्ट के प्रतिभागी सवार रहेंगे। शोभायात्रा के पूनम सिंह स्टेडियम से सुबह 11 बजे अतिथियों की ओर से गुब्बारे उड़ाकर मरू महोत्सव का उद्घाटन किया जाएगा। इस दौरान यहां मिस्टर डेजर्ट एवं मिस मूमल प्रतियोगिता आयोजित होगी।

आयोजन के पहले दिन शाम 7 बजे शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में सेलिब्रिटी नाइट का आयोजन होगा। इस नाइट में बॉलीवुड के प्रसिद्ध संगीतकार सलीम सुलेमान की ओर से प्रस्तुतियां दी जाएगी। इससे पहले लोक कलाकार तगाराम भील द्वारा राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया जाएगा और अंत में शानदार आतिशबाजी की जाएगी। मरू महोत्सव में 4 फरवरी को सुबह 7 बजे से 8 बजे तक गड़ीसर सरोवर पर योगा एवं संगीत का कार्यक्रम होगा। इसके बाद सुबह 9.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक डेडानसर मैदान में सीमा सुरक्षा बल की ओर से सबसे आकर्षक कार्यक्रम केमल टेटू शो का आयोजन किया जाएगा।

बाल मेले में सांसद के साथ बच्चों ने किया सेलिब्रेशन

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संघ और दिशा फाउंडेशन के बच्चों के लिए 'बाल मेले' का आयोजन किया। इस मौके पर सांसद दीया कुमारी ने बच्चों के साथ सेलिब्रेशन किया। पैलेस स्कूल के स्थापना पर लगे मेले में विशिष्ट अतिथि के रूप में आईं दीया कुमारी का स्कूल प्रिंसिपल उर्वशी वर्मन, शिक्षकों, इंटरेक्ट क्लब के सदस्यों और स्कूल काउंसिल सदस्यों ने वेलकम किया।

इस अवसर पर एग्जीक्यूटिव ट्रस्टी महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट और द पैलेस स्कूल एजुकेशनल सोसायटी की बोर्ड सदस्य रमा दत्त उपस्थित रहीं। सांसद ने छात्रों को जीवन को आनंदपूर्वक और पूर्ण रूप से जीने व अपने जीवन में मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 53 फीट लंबी 'फड़' पेंटिंग बनाकर 'आजादी का अमृत महोत्सव' को ट्रिब्यूट देने के अपने अनोखे तरीके के लिए छात्रों-शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

सात बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम, पिकअप में ले गए मशीन

4 लाख 57 हजार रुपए से भरा एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश

हिलव्यू समाचार
जयपुर/दौसा। प्रदेश में एटीएम लूट की वारदातें आए दिन सामने आ रही है। बदमाशा पुलिस गश्त को धता बताकर एटीएम बूथों को निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला बगरू में सामने आया है, जहां बदमाश अलसुबह करीब 3.34 बजे बैंक ऑफ बडौदा के एटीएम को उखाड़ कर ले गए एटीएम में 4 लाख 57 हजार रुपए थे। सात नकाबपोश बदमाशों ने मात्र 10 मिनट में एटीएम लूट की वारदात को अंजाम दिया है। हालांकि पुलिस ने पूरे जिले में नाकाबंदी कराकर 3 घंटे में ही वारदात में शामिल तीन आरोपियों को धर-दबोचा। पुलिस ने बदमाशों को दौसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस अब बाकी 4 आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन ने प्रेसवार्ता में कर मामले का खुलासा किया है। गुरुवार सुबह लोगों ने एटीएम के बाहर कांच टूटा हुआ देखा तो लूट की सूचना पुलिस को दी। बगरू थाना पुलिस ने मौके से एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। बैंक प्रशासन ने पुलिस को बताया कि लूटे गए एटीएम में 4 लाख 57 हजार रुपए थे। वहीं पुलिस का कहना है कि बदमाशों ने एटीएम लूट से पहले रेकी कर वारदात को अंजाम दिया गया है। बदमाश जानते थे कि बैंक और एटीएम पर कोई भी सिक्योरिटी गार्ड मौजूद नहीं है और बूथ में लगा अलार्म सिस्टम भी खराब है। इसके चलते आसानी से वारदात को अंजाम दिया जा सकता है। पुलिस ने बदमाशों से पिकअप, लोहे की 2 रॉड, एक रस्सा, एटीएम को ढकने के लिए रजाई और एटीएम मशीन बरामद की है। पिकअप पर बदमाशों ने फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। पिकअप में 5 लीटर हथकढ़ शराब भी मिली है।

अन्य वारदातों का हुआ खुलासा

बदमाशों ने पुलिस पूछताछ में एटीएम लूट की अन्य वारदातें कबूल की है। गैंग ने 11 व 12 दिसंबर को महवा क्षेत्र के बालाहेड़ी स्थित हिटाची बैंक के एटीएम को तोड़ा था। इन लोगों ने ही अलवर के बनोखर में 7-8 जनवरी की रात इंडिकैश बैंक का एटीएम तोड़ा था। जिसमे 4 लाख 50 हजार रुपए कैश रखे हुए थे। साथ ही 21-22 जनवरी की रात थाना लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के मौजपुर में इंडिकैश बैंक के एटीएम को तोड़कर 11 हजार रुपए लूटे थे।

यूं दिया वारदात को अंजाम

एसपी संजीव नैन ने बताया कि जयपुर से करीब 30 किमी दूर बगरू कस्बे में लिंक रोड पर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा है। उसके पास ही बैंक का एटीएम लगा हुआ है। गुरुवार तड़के करीब 3 बजकर 34 मिनट पर 7 बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। एटीएम लूट की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। सीसीटीवी में साफ नजर आ रहा है कि बदमाश पिकअप लेकर आते है। इसके बाद पिकअप से 6 नकाबपोश बदमाश उतरते हैं। ड्राइवर गाड़ी में ही बैठा रहता है। बदमाश एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी को भी तोड़ देते हैं। इसके बाद एटीएम को एक तार से बांधकर पिकअप की मदद से खींचते हैं और एटीएम मशीन को उखाड़ कर पिकअप गाड़ी में रखकर रवाना हो जाते हैं। बदमाशों को इस वारदात को करने में मात्र 10 मिनट का समय लगा है।

जी-क्लब में फायरिंग करने वाले लॉरेंस गैंग के तीन शूटर्स को एनकाउंटर में मारी गोली

खाकी ने दिखाया अपना दम

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर में जी क्लब पर 17 राउंड फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले लॉरेंस गैंग के तीन शूटर्स को पुलिस ने गोली मार दी। इसमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। यूपी पुलिस ने जयपुर पुलिस की सूचना पर इन तीनों को पकड़ा था। इसमें एक बाल अपचारी भी शामिल है। जयपुर कमिश्रनेट की पुलिस टीम उन्हें सोमवार को आधी रात बाद आगरा से लेकर जयपुर रवाना हुई थी। इसके बाद मंगलवार सुबह खोह-नागोरियान स्थित एक आश्रम के पास बदमाशों ने पुलिस का हथियार छीन कर फायर कर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने जवाबी फायरिंग कर तीनों के पैर में गोली मार दी। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अजय पाल लांबा ने बताया कि ऋषभ नाम के आरोपी ने लघुशंका करने का नाम लेकर माहौल बनाया और गाड़ी से उतरते समय एसीपी चिरंजीलाल मीणा के गनमैन सन्नी जांगिड़ की पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी। इसके बाद सीएसटी टीम ने हवा में दो राउंड फायर कर उन्हें डराया, लेकिन जब तीनों भागने लगे तो पुलिस ने इनके पैर में गोली मारकर इन्हें पकड़ लिया। बदमाशों को घायल अवस्था में सुबह करीब साढ़े आठ बजे एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती करवाया गया, जहां पर इनका इलाज जारी है। गिरफ्तार किए गए शूटर ऋषभ रजवार निवासी राजगढ़ और प्रदीप शुक्ला निवासी आगरा और एक 15 वर्षीय बाल अपचारी को निरूद्ध किया है। यूपी पुलिस ने इसी मामले में एक अन्य बदमाश भूपेंद्र गुर्जर को भी गिरफ्तार किया है, जिसके पास से तीन हथियार छह मैगजीन कारतूस बरामद किए हैं। इसे भी जल्द ही प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा। जानकारी मे सामने आया है कि प्रदीप और भूपेंद्र ने ही उन्हें हथियार उपलब्ध कराए थे।

17 फरवरी से सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी फिल्म

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर 'बाहुबली' का प्रोमो लॉन्च

हिलव्यू समाचार
जयपुर। ब्लॉक बोस्टर मूवी बाहुबली तो हम सबको याद ही है, लेकिन अब राजस्थानी बाहुबली भी इतिहास रचेगी। इसके लिए तीतरी प्रोडक्शन की ओर से निर्मित राजस्थानी फिल्म बाहुबली का प्रोमो महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर आर्य समाज सभागार राजापार्क जयपुर में लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म के डायरेक्टर विपिन तिवारी, प्रोडयूसर अजय तिवारी, आर्य समाज संस्थान के चेयरमैन रवि नैयर, शकुन एडवरटाइजिंग के निदेशक गोकुलदास माहेश्वरी, जयसिंह भगासरा, केशव शुक्ला सहित फिल्म की कास्ट मौजूद रही।

अहिंसा के सिद्धांत को बताएगी

फिल्म महात्मा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत हिंसा दर्द देती है और अहिंसा मरहम लगाती है पर आधारित है। सुंदर गीत-संगीत से 3 वर्ष के बाद निर्माण किया गया है, जो 17 फरवरी से राजस्थान के सिनेमा घरों में प्रदर्शित होगी। राजस्थान की आदिवासी अछूता विहंगम लोकेशन, हाथी-घोड़ों से सज्जी हल्दीघाटी का युद्ध, इतिहास की वास्तविकता से रूबरू कराने के लिए हल्दीघाटी में फिल्माकंन, आदिवासी जीवन शैली, भगोरिया मेला और ओगना का 12 महीने बहते झरने के पीछे की गाथा है। निर्देशक विपिन तिवारी बताते हैं कि हिंसा पर अहिंसा की विजय महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर गांधीवादी विचारक और आदिवासियों के मसीहा मामा बलेश्वर दयाल ने दो दशक पहले इस विषय पर फिल्म बनाने की सलाह दी थी। उदयपुर से 70 किमी दूर झाडोल तहसील का ओगना, जो मिट्टी से बना हुआ डैम है। पहाडों की तराईयों में लोकेशन के बीच 12 महीने रामकुण्डा में बहता हुआ झरना आंखों को सुकून देता है।

प्रश्नकाल में उठे जनहित के मुद्दे

नगरीय निकाय नहीं वसूल रहे सफाई के नाम पर शुल्कः मंत्री शांति धारीवाल

हिलव्यू समाचार
जयपुर। विधानसभा में मंगलवार को प्रश्नकाल के दौरान जनहित से जुड़े कई मामलों को प्रतिपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों ने उठाया। कोटा से विधायक संदीप शर्मा ने शहरी निकायों की तरफ से सफाई शुल्क के नाम पर वसूली का सवाल उठाया।

जवाब में नगरीय विकास मंत्री शान्ति कुमार धारीवाल कहा कि प्रदेश में किसी भी नगरीय निकाय द्वारा सफाई शुल्क की वसूली नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सफाई शुल्क वसूली के संबंध में नगरीय संस्थाओं को पृथक से कोई निर्देश भी जारी नहीं किए गए हैं। धारीवाल ने बताया कि राजस्थान नगरपालिका अधिनियम-2009 के तहत जनहित में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य के लिए बॉयलॉज बनाने का अधिकार राज्य सरकार तथा संबंधित क्षेत्र में नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं को है।

नगरीय संस्थाओं द्वारा उनके क्षेत्र में सफाई शुल्क वसूल करने का प्रावधान नगर पालिका अधिनियम में जरूर है। उन्होंने कहा कि संबंधित नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अथवा नगर निगम आयुक्त को अपने क्षेत्र में यह शुल्क लगाने का अधिकार है। लेकिन राज्य में कहीं भी इसकी वसूली नहीं की जा रही है। कचरा डालने के कारण जुर्माना अथवा शास्ति जरूर लिया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों को साइबर प्रशिक्षण

धारीवाल ने संदीप शर्मा के एक अन्य सवाल के जवाब में बताया कि प्रदेश में ऑनलाइन धोखाधड़ी तथा साइबर क्राइम के दर्ज प्रकरणों में तफ्तीश प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों एवं पुलिस कार्मिकों के द्वारा की जाती है। आवश्यक प्रशिक्षण के बाद ही ऐसे पुलिस कार्मिकों को साइबर थानों में पदस्थपित किया जाता है। प्रदेश में साइबर अपराधों के प्रभावी अनुसंधान के लिए 32 साइबर थाने खोलने की घोषणा की गई थी। इनमें से 18 थाने स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें 135 प्रशिक्षित अधिकारियों-कर्मचारियों का पदस्थापन किया जा चुका है।

गोडावण संरक्षण का मामला उठाया

सत्ता पक्ष के विधायक रामनारायण मीणा ने राज्य पक्षी गोडावण के संरक्षण का मामला उठाया। जवाब में वन मंत्री हेमाराम चौधरी ने बताया कि बारां जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित सोरसन ब्रह्माणी अभयारण्य समिति की बैठक शीघ्र करने के लिए निर्देशित किया जाएगा, जिससे राज्य में गोडावण संरक्षण के लिए आगे की कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि सोरसन वन क्षेत्र में गोडावण संरक्षण के लिए प्रजनन केन्द्र स्थापित करने के लिए केन्द्रीय पर्यावरण एवं जलवायु विभाग, वन्य जीव संस्थान तथा राज्य सरकार द्वारा त्रिपक्षीय करार 30 मई 2018 को किया गया था। इस करार के तहत रामदेवरा तथा सोरसन में कृत्रिम गर्भाधान भारतीय वन्यजीव संस्थान के द्वारा करवाया जाना था। उन्होंने बताया कि जैसलमेर के रामदेवरा में कृत्रिम प्रजनन केन्द्र स्थापित किया जा चुका है, जहां गोडावण का पालन-पोषण किया जा रहा है।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, 28 लोग गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
अलवर। बगड़ तिराया पुलिस की टीम द्वारा 26 जनवरी को दो पक्षों में हुए खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के कुल 28 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया है। एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 26 जनवरी को ग्राम बगड मेव में दो पक्षों मे आपसी लाठी-भाटा जंग हुई थी। घटना के संबंध में दोनों पक्षों की ओर से थाना बगड़ तिराया पर रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट पर आईपीसी की संबंधित धाराओं एवं आर्मस एक्ट में अलग-अलग मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस की ओर से एक पक्ष के इन्नुस उर्फ हारून खां (22), राहुल खां (24), निजामुदीन खां (33), आजाद खां (37), शहजाद खां (36), सद्दाम हुसैन (30), हक्कू उर्फ हकमूद्दीन (30), मुकीम (32), साहुन खां (32), सलेम खां (42), सुभान खां

(35), अजीप (45), शौकत खां (35), अकबर खां (32), आलीम (24), असलूप खां (45) रफीक खां (43), आबिद खां (32) को गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरे पक्ष के साबिर मेव (26), अशर मेव (63), खुर्शीद मेव (40), वाजिब मेव (20), आबिद मेव (22), सुबैदीन मेव (32), सद्दाम मेव (30), इमरान मेव (25), मुस्ताक मेव (32), निवासी बगड मेव थाना बगड तिराया तथा अलताफ मेव (19) निवासी बहाला थाना बगड तिराया को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

FASHION जोन

अपने वार्डरोब में सहेजें सदाबहार प्रिंट

कुछ प्रिंट किसी खास ट्रेंड के साथ आते हैं और फिर चले जाते हैं. लेकिन कुछ प्रिंट सदाबहार होते हैं. ये वर्षों चलते हैं. अगर बीच में कभी इनका चलन कुछ कम भी हो गया तो जल्द ही फिर लौटकर आ जाता है. हर किसी के वार्डरोब में कुछ ऐसे प्रिंट जरूर होने चाहिए. ये बहुत कूल और स्टाइलिश लुक देते हैं. आइए जानते हैं कि आप अपने वार्डरोब में कौन-कौन से ऐसे एवरग्रीन प्रिंट सहेज सकती हैं.

एवरग्रीन पोल्का डॉट

फैशन इंडस्ट्री में पोल्का डॉट का ट्रेंड कभी पुराना नहीं पड़ता. इसे लोग कल भी पसंद करते थे, आज भी पसंद करते हैं और आगे भी पसंद करेंगे. यह वाकई एवरग्रीन प्रिंट है, इसलिए आपके वार्डरोब में कम से कम पोल्का डॉट की एक ड्रेस तो होनी ही चाहिए. इसे कुछ लोग बॉबी प्रिंट के नाम से भी जानते हैं, क्योंकि इसे बॉलीवुड की हीरोइन डिम्पल कपाड़िया ने फिल्म 'बॉबी' में पहनकर बहुत लोकप्रिय बना दिया था. शायद यही वजह है कि आज भी नई से नई हीरोइनें पोल्का डॉट की ड्रेस कैरी करना पसंद करती हैं. पोल्का डॉट के साथ एक खूबी यह भी है कि इसे किसी भी हाइट, किसी भी वजन, किसी भी उम्र और त्वचा के रंग की महिलाएं आराम से कैरी कर सकती हैं. इसकी एक खूबी यह भी है कि पोल्का डॉट की ड्रेसेज हर किसी पर अच्छी लगती हैं. पोल्का डॉट की ड्रेसेज आमतौर पर कैजुअल और आरामदायक होती हैं.

बिगड़ा मूड बना दे फ्लोरल

टॉप हो या शर्ट, साड़ी हो या फिर सूट, फ्लोरल प्रिंट इन दिनों सबसे ज्यादा ट्रेंड में है. यह एक ऐसा प्रिंट है जो एथेनिक लुक देने के साथ-साथ रोमांटिक और मॉडर्न लुक भी देता है. सिर्फ ड्रेसेज ही नहीं, सर्दियों में फ्लोरल लांग ओवरकोट भी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं. फ्लोरल प्रिंट में एक अच्छी बात यह भी है कि इसे भी आम या खास कोई भी कैरी कर सकता है और यह सब पर अच्छा लगता है. इसे हर कोई पसंद करता है. सेलिब्रिटीज को भी आजकल फ्लोरल प्रिंट खूब भाता है. इसलिए यह कहने की जरूरत नहीं है कि आपके वार्डरोब में फ्लोरल प्रिंट की भी कोई न कोई ड्रेस जरूर होनी चाहिए. यह हर मौसम और हर ओकेजन के लिए सुटेबल है.

कभी नहीं जाता चेक प्रिंट का ट्रेंड

चेक प्रिंट भी बड़ा स्थायी प्रिंट है. यह अलग-अलग समय में डिफरेंट एक्सप्रेशन देता रहा है. एक दौर था जब चेक प्रिंट फिल्मों में सिर्फ सीधे-सादे और गरीब दिखने वाले किरदार पहनते थे. लेकिन अब वक्त बदल गया है. आज की तारीख में ऑफिस गोइंग महिलाएं भी खूब चेक प्रिंट पहनती हैं. यह जितना फीमेल के लिए आम प्रिंट है, उससे कहीं ज्यादा मेल के लिए है. बदलते दौर के सौंदर्यबोध ने चेक प्रिंट के कद्रदानों में इजाफा किया है. पहले इसे खास तौर पर यूथ पसंद करता था,लेकिन अब बच्चों को भी चेक खूब भाता है.अधेड़ उम्र के लोग भी चेक प्रिंट को कैरी करना पसंद करते हैं. युवतियां खास तौर पर चेक के शर्ट, साड़ी और नये डिजाइन में आउटफिट कैरी करती हैं. समर सीजन का तो यह विशेष तौर पर पसंदीदा प्रिंट है. लड़कों को चेक प्रिंट का पैंट खूब भाता है तो वहीं लड़कियां खास तौर पर सूट पसंद करती हैं. फैशन डिजाइनर मानते हैं कि इस साल गर्मियों में चेक प्रिंट की खूब मांग रहने वाली है.

एनिमल पैटर्न

एनिमल पैटर्न को लेपर्ड प्रिंट भी कहते हैं. पहले कुछ एक्स्ट्रा मॉड युवतियां ही इसे कैरी करती थीं, लेकिन अब ये स्मूथ हो गया है और सभी खासकर कॉलेज गोइंग युवतियां इसे सहजता से कैरी करती हैं. एनिमल पैटर्न का प्रिंट फिक्स होता है, इसमें आमतौर पर ब्लैक स्ट्राइप और यलो तथा ब्राउन का कंट्रास्ट पसंदीदा कलर पैटर्न होता है. पहले लेपर्ड प्रिंट में कुछ गिनी-चुनी ड्रेसेज ही हुआ करती थीं, लेकिन आजकल इसमें खूब वेरायटी हैं.

आजकल लेपर्ड प्रिंट ही नहीं, एनिमल प्रिंट्स में जेब्रा और टाइगर प्रिंट भी आसानी से उपलब्ध हैं. जबकि पहले सिर्फ लेपर्ड प्रिंट ही मिलता था. शायद इसीलिए अब इसे लेपर्ड प्रिंट की जगह एनिमल प्रिंट कहते हैं. इसे जंपसूट, गाउन और जैकेट में भी आराम से कैरी किया जाता है. यह कूल और स्टाइलिश लुक देता है. इसे कैरी करके आप मॉडर्न दिखती हैं, इसलिए एनिमल पैटर्न की भी कम से कम एक ड्रेस आपके वार्डरोब में होनी चाहिए.

सावधान.. फेशियल के नुकसान भी होते हैं

इसमें कोई दो राय नहीं है कि फेशियल से चेहरे की त्वचा साफ, नरम, कोमल और मुलायम हो जाती है, जैसी त्वचा पाना हर महिला का ख्वाब होता है. लेकिन यह भी जान लें कि फेशियल से सिर्फ फायदे ही नहीं होते, जरूरत से ज्यादा फेशियल करने से इसके जबरदस्त नुकसान भी हो सकते हैं. जिन महिलाओं को फेशियल सूट नहीं करता, फिर भी वे इससे बेहतर नतीजे पाने के लिए बार-बार इसे आजमाती हैं. ऐसे में फायदे मिलने की जगह उन्हें काफी नुकसान हो सकता है, जिसकी भरपायी करना भी आसान नहीं होता.

BEAUTY जोन

जल्दी-जल्दी नहीं कराएं

फेशियल स्किन की गहराई में जाकर क्लीनिंग करता है और त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाता है. लेकिन कुछ महिलाएं महीने में 4-5 बार फेशियल करवाती हैं. ऐसा करना बहुत नुकसानदायक हो सकता है. बार-बार फेशियल कराने से वातावरण में फैला प्रदूषण, गहरी धूप, धूल व मिट्टी का असर चेहरे पर साफ-साफ दिखाई देने लगता है. हफ्ते में केवल एक बार स्क्रबिंग और महीने में अधिकतम 2 बार फेशियल कराना चाहिए. ज्यादा फेशियल कराने से चेहरे के पोर्स खुल जाते हैं और कई बार मुंहासों की समस्या पैदा हो जाती है.

बिगड़ जाता है पीएच बैलेंस

यदि आप नियमित रूप से चेहरे का फेशियल कराती हैं तो इससे त्वचा अपनी कुदरती नमी खो देती है और इसका नुकसान यह होता है कि त्वचा का पीएच बैलेंस बिगड़ जाता है. महीने में एक बार फेशियल कराना अच्छा होता है और अगर इससे ज्यादा कराना ही हो तो अधिकतम 2 बार फेशियल कराना चाहिए. ऐसा करने से त्वचा का पीएचल बैलेंस ठीक रहता है.

पैच टेस्ट जरूरी

सबकी त्वचा अलग अलग होती है और कई लोगों की त्वचा दूसरे लोगों के मुकाबले ज्यादा सेंसेटिव होती है. इसलिए स्किन में होने वाली किसी एलर्जी को लेकर यह नहीं मानना चाहिए कि अगर उसे नहीं होती तो मुझे कैसे होगी? अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो कोई भी केमिकल युक्त मसाज क्रीम और फेसपैक इस्तेमाल करने से त्वचा में खुजली की दिक्कत हो जाती है. इसलिए जब भी पहली बार फेशियल करवाएं तो अपने ब्यूटी प्रोडक्ट का पैच टेस्ट जरूर करवा लें.

खो जाती है नेचुरल नमी

त्वचा में अपना एक नेचुरल मॉश्चराइजर होता है. लेकिन अगर ज्यादा फेशियल कराया जाता है तो त्वचा का यह मॉश्चर खत्म हो जाता है. ज्यादा फेशियल से त्वचा में लाल चकत्ते पड़ जाते हैं और कई बार ये चकत्ते अनेक तरह की परेशानियों का घर साबित होते हैं. इससे त्वचा में सूजन आ सकती है. यह सूजन लंबे समय तक रह सकती है और कई बार तो ज्यादा स्थिति खराब हो जाए तो सूजन स्थायी हो जाती है.

बच्चों में डेवलप करें अच्छी लाइफस्टाइल

PARENTING जोन

हम सभी अपने बच्चों के लिए कुछ करना चाहते हैं. साथ ही उन्हें ऐसी शिक्षा भी देना चाहते हैं जिससे वे आगे जाकर अपने जीवन में कुछ अच्छा कर पाएं. उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं. ऐसे में आपको अपने बच्चों को कुछ चीजों के बारे में जरूर सिखाना चाहिए जो उनके भविष्य के लिए काफी आवश्यक हैं.

खुद का काम खुद करना सिखाएं

हम आजकल अपने बच्चों की देखभाल के लिए नौकर रखते हैं. ऐसे में यह गलत भी नहीं है लेकिन आपको अपने बच्चों को उनका खुद का काम उन्हें खुद ही करने देना चाहिए. खासकर जब बच्चे 3 साल से ऊपर के हो जाएं तो उन्हें उनकी जिम्मेदारियों का एहसास कराएं.

अलग-अलग तरह के टास्क दें

एक्सपर्ट का कहना है कि बच्चों को बचपन से ही अलग-अलग तरीके का टास्क देना चाहिए. ऐसे में वे क्रिएटिव बनेंगे. वे किसी भी चीज को लेकर जितना सोचेंगे, उनके दिमाग में उतने ही ज्यादा सवाल बनेंगे. ऐसे में यह उनके विकास के लिए यह काफी जरूरी है.

हेल्दी आदतें सिखाएं

अपने बच्चों को सेहत से जुड़ी अच्छी आदतें सिखाएं. जैसे- रोजाना ब्रश करना, रोजाना नहाना. इन आदतों को खासकर अपने बच्चों में छोटी उम्र में ही डालें. ऐसे में वह इन आदतों को लंबे समय तक नहीं भूलेंगे.

हाइजीन के बारे में बताएं

आप अपने बच्चों को हाइजीन के बारे में जरूर बताएं. छोटे बच्चे जब स्कूल जाते हैं और वह पब्लिक बाथरूम का इस्तेमाल करते हैं तो उन्हें कुछ चीजों के बारे में पहले से ही पता होना चाहिए. ऐसे में आपके बच्चे अकेले भी कहीं होंगे तो वह हाइजीन का खास ख्याल रखेंगे.

सही तरीके से सामान रखना

अपने सामान, किताब और गैजेट्स को सही तरीके से रखना जरूर सिखाएं. ऐसा आपको छोटी उम्र से ही करना चाहिए. ऐसे में बच्चे अपने किसी भी सामान का खास खयाल रखेंगे.

क्रिएटिव तरीके से सजाएं लिविंग रूम

INTERIOR जोन

अच्छे तरीके से सजा हुआ घर सबको अच्छा लगता है, खासकर ड्राइंगरूम. ज्यादातर मेहमानों को यहीं बैठाया जाता है, इसलिए यह और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि वह खूबसूरत ढंग से सजा-संवरा हो. अगर ड्राइंगरूम या लिविंग रूम को यूनिक और क्रिएटिव तरीके से सजाया जाए तो सुंदरता और भी ज्यादा बढ़ जाती है. इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बाजार से महंगी और क्रिएटिव चीजें लाकर ही इन्हें डेकोरेट करें, आप घर पर पड़ी कुछ चीजों का इस्तेमाल करके ड्राइंग रूम को यूनिक लुक दे सकते हैं.

टोकरी के साथ

आप दीवारों पर बेकार पड़ी टोकरियां लगा सकते हैं. इस तरह से टोकरियां लगाने से दीवारें एकदम यूनिक दिखेंगी. साथ में यह क्रिएटिविटी आपके घर की सुंदरता पर चार-चांद लगा देगी.

मैप को फ्रेम करके लगाएं

आपने बच्चों को कई बार मैप का इस्तेमाल करते हुए देखा होगा. आप मैप को घर की सजावट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं. आप ड्राइंग रूम में मैप लगाकर एक यूनिक लुक क्रिएट कर सकते हैं. मैप को फ्रेम करके आप दीवार पर लगा सकते हैं. इसके अलावा जिन जगहों में आप घूमना चाहते हैं या घूमकर आए हैं, उसका मैप अपने दीवार पर लगा सकते हैं.

लाइट्स

आप ड्राइंगरूम में रोशनी बढ़ाने के लिए छत पर लाइट्स लगा सकते हैं. फेयरी लाइट्स या फिर बल्ब वाली लाइट्स छत पर सजा सकते हैं. लाइट्स के साथ रूम डेकोरेटिव भी लगेगा और साथ में कमरा क्रिएटिव भी नजर आएगा. आप चाहे तो झूमर लाइट्स का इस्तेमाल भी कर सकते हैं.

हैंगिंग प्लांट्स

दीवार पर हैंगिंग प्लांट्स लगाकर भी अपने घर की सुंदरता बढ़ा सकते हैं. इन प्लांट्स को डेकोरेटिव तरीके से कमरे की दीवार पर लगा सकते हैं. अगर आपको कोई पौधा अच्छा लगता है तो ड्राइंगरूम की सजावट के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं.

कलरफुल सोफा सेट

रंग-बिरंगे सोफे भी ड्राइंग रूम की सुंदरता को चार-चांद लगा देंगे. घर में आने वाले मेहमानों को भी कलरफुल सोफा आकर्षित करेगा. दीवार के कलर के साथ मैच करता हुआ सोफा भी आकर्षक लगता है.

जार में बल्ब

पुराने पड़े कांच के जार में बल्ब लगाकर उसे डेकोरेट कर सकते हैं. इससे आपके घर को एक यूनिक और क्रिएटिव लुक मिलेगा. इसके अलावा पुराना जार भी इस तरह से दोबारा इस्तेमाल में आ जाएगा.

निवेश करने से पहले ध्यान रखें ये जरूरी बातें

हर व्यक्ति अपनी जमा-पूंजी पर ज्यादा से ज्यादा लाभ पाना चाहता है. लेकिन इसी चक्कर में आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, जिनमें निवेश की किसी स्कीम में बहुत अधिक लाभ का लालच देकर लोगों को गुमराह करके हजारों-लाखों लोगों से भारी-भरकम राशि इकट्ठी कर ली जाती है और इसके बाद स्कीम चलाने वाले लोग या तो गायब हो जाते हैं या फिर लाभ नहीं दे पाते या निवेशकों का मूलधन भी वापस नहीं कर पाते. ऐसे में अपना पैसा किसी भी तरह के निवेश में लगाने से पहले कुछ सावधानियां जरूर बरतें, जिससे आपका पैसा भी सुरक्षित रहे और अच्छा लाभ भी प्राप्त हो.

विज्ञापनों पर भरोसा न करें

निवेश करते समय ज्यादातर लोग जल्दी से जल्दी बहुत लाभ का वादा देने वाले विज्ञापनों या कंपनियों की बातों पर बिना जांच-पड़ताल किए विश्वास कर लेते हैं. लोगों को ईमेल या एसएमएस द्वारा भी ऐसी स्कीमों के चंगुल में फंसाने की कोशिश की जाती है. यदि कोई बैंकों से ज्यादा ब्याज या लाभ अथवा थोड़े ही समय में लाखों की कमाई का आश्वासन देता है तो ऐसी स्कीमों से दूर रहें.

किसी की बातों में न आएं

कई बार व्यक्ति खुद को किसी प्रतिष्ठित संस्था या बैंक का प्रतिनिधि बताकर राशि जमा करने की बात करता है. बाजार में घूम रहे सेल्समैन या एसएमएस भेजने वाले किसी व्यक्ति की बात पर विश्वास करके निवेश करना एक बड़ी भूल है.

बचत की जानकारी गोपनीय रखें

सभी तरीके के निवेश में से मान्यता प्राप्त बैंकों में पैसे जमा करवाना सबसे सुरक्षित तरीका है. परंतु इसमें भी सावधानी बरतने की जरूरत है. कई बार बैंकों के कर्मचारी भी किसी ग्राहक के खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकाल लेते हैं. इसलिए बैंक में अपनी बचत की जानकारी व अपने एटीएम के पिन गोपनीय रखें, अपनी चेक बुक सुरक्षित रखें. अपने सहकर्मियों या मित्रों पर अंधविश्वास न रखें.

एक ही जगह पैसा न लगाएं

एक ही जगह बहुत ज्यादा पैसा न लगाएं. अगर कोई निवेशक कई तरह की अलग-अलग परिसंपत्तियों में पैसा लगाता है तो चाहे वह अपना पैसा शेयर बाजार में ही क्यों न लगाए, एक मोटे नुकसान की आशंका से बच सकता है.

पहले आकलन करें

कोई भी निवेश योजना बनाने से पहले निवेशक को आकलन करना चाहिए कि उसे किस पैसे की कब जरूरत होगी. कुछ पैसा बैंक सावधि जमा खाते (एफडी) में रखने का लाभ यह है कि किसी भी समय जरूरत पड़ने पर पैसा निकाला जा सकता है.

ब्राइडल हेयर स्टाइल से बाल हुए डैमेज तो...

हम सभी चाहते हैं कि हमारे बाल खूबसूरत और घने नजर आएं. हम स्टाइलिश दिखने के चक्कर में तरह-तरह के ब्राइडल हेयर स्टाइल तो बना लेते हैं लेकिन बाद में होने वाले हेयर डैमेज की वजह से झड़ते बालों की समस्या से परेशान हो जाते हैं. खासकर ब्राइडल हेयर स्टाइल की वजह से शादी के बाद बालों की सही तरीके से देखभाल करना बेहद जरूरी होता है. ऐसा करने से आपके बाल डैमेज होने से बच सकते हैं और घने भी रहेंगे.

केमिकल से होते हैं रूखे-बेजान

हेयर स्टाइल बनाते समय कई तरह के केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स जैसे हेयर स्प्रे का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके कारण आपके बाल काफी हद तक डैमेज हो जाते हैं.साथ ही इन हेयर स्टाइल को बनाने के लिए कई हीटिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया जाता है. इस कारण भी आपके बाल रूखे और बेजान नजर आने लगते हैं.

चंपी करने के फायदे

ब्राइडल हेयर स्टाइल को खोलने के बाद अपने बालों की सेहत के लिए नारियल तेल से करीब 10 से 15 मिनट तक चंपी करनी चाहिए. ऐसा करने से आपके बाल हेयर स्टाइल को बनाते समय इस्तेमाल किए गए केमिकल और हेयर टूल्स के कारण डैमेज होने से बच जाएंगे. नारियल का तेल आपके बालों को पोषण देने में मदद करेगा.

इन चीजों को भी ट्राई करें

हेयर सीरम रूखे और बेजान बालों को जीवनदान देने में मदद करता है. इसका इस्तेमाल आप दिन में करीब 3 से 4 बार तक कर सकती हैं. साथ ही आप चाहे तो नेचुरल चीजों से बने हेयर मास्क का भी इस्तेमाल कर सकती हैं. इसके अलावा आप चाहे तो बालों में केवल एलोवेरा भी लगा सकती हैं. एलोवेरा का इस्तेमाल आप हफ्ते में करीब 2 बार तक कर सकती हैं. बाल अगर बहुत ज्यादा ड्राई हो गए हैं तो आप होममेड हेयर स्पा भी कर सकती हैं.

जब पहनें हाई हील, तो ध्यान रखें ये बातें

आमतौर पर यह देखा गया है कि हाई हील पहनने वाली कई किशोरियों में असहनीय कमर दर्द के कई मामले सामने आते हैं. ऊंची एड़ियों वाले सैंडलों से हर तीसरी युवती प्रभावित है और इनमें से कई युवतियां तो स्थायी रूप से आर्थोपैडिक समस्याओं का भी शिकार हो जाती हैं, लेकिन उन्हें इसका एहसास काफी नुकसान झेलने के बाद होता है. जब आप हाई हील पहनती हैं तो आपकी कमर और नितंबों पर जबरदस्त दबाव पड़ता है, जो आपकी रीढ़ के लिए काफी नुकसानदेह होता है.

- ★ जितनी ऊंची एड़ियों के सैंडल पहनेंगी, उतना ही आपकी कमर और एड़ियों की हडिड्यों पर पड़ता है.
- ★ हाई हील के कारण नितंबों, कंधों, कमर और रीढ़ की अवस्था बिगड़ जाती है.
- ★ यदि आपका वजन अधिक है, तो हाई हील आपका संतुलन भी बिगाड़ सकती है और आपके चोटिल होने की संभावना बढ़ा देती है.
- ★ पैरों के अंगूठों से पहले के हिस्सों में हाई हील के कारण दर्द बढ़ जाता है.
- ★ फीते और पंप स्टाइल ऊंची एड़ी के सैंडल पहनने से एड़ियों के पिछले हिस्से की हड्डी बढ़ सकती है.
- ★ यदि आप लंबे समय तक हाई हील सैंडल पहनती हैं तो इनसे शिराओं और पिंडलियों की मांसपेशियों को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचता है.

हालांकि महिलाएं अपनी पसंदीदा फुटवियर का मोह बमुश्किल ही छोड़ पाती हैं, यहां तक कि तकलीफ सहते रहने के बाद भी. लिहाजा, आप हाई हील पहनने के दौरान दर्द और नुकसान को इन उपायों से कम कर सकती हैं :

- ★ ड्राइविंग के दौरान फ्लैट चप्पलें पहनें.
- ★ किसी मीटिंग में बैठने के दौरान आप अपने सैंडल ढीले कर सकती हैं और अपने पैरों को फर्श पर रख सकती हैं.
- ★ 20-30 मिनट के अंतराल पर ब्रेक लें और अपने सैंडल निकाल दें.
- ★ जब लगे कि सैंडल खराब हो रहे हैं तो लगाव होने के बावजूद उन्हें बदल लें.
- ★ सैंडलों का चयन स्टाइल या उनकी मोटाई से न करें, बल्कि उन्हें पहनकर आराम महसूस करने के आधार पर करें.

मध्यम वर्ग और गरीबों को राहत... 7 लाख तक की आय टैक्स मुक्त

एजेंसी
नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को संसद में वित्त वर्ष 2023-24 और मोदी सरकार का आखिरी आम बजट पेश किया। इस बजट में स्पष्ट रूप से झलका कि इस साल होने वाले नौ राज्यों की विधानसभाओं और अगले वर्ष के आम चुनाव को ध्यान में रखते हुए सभी वर्गों, खासकर युवा, किसान, मध्यमवर्ग और गरीबों को खास तवज्जो दी गई। वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि सप्तर्षि यानी सरकार की सात प्राथमिकताएं- समावेशी विकास, अंतिम छोर तक पहुंचना, युवा शक्ति, वित्तीय क्षेत्र, हरित विकास, क्षमता उभारना, अवसंरचना और निवेश, इस बजट का आधार बनी हैं। इस बजट में उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए 7 लाख रुपए तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है। इन लोगों को अब कोई टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा इनकम टैक्स स्लैब की संख्या भी घटाकर 5 कर दी गई है। बजट में वित्त मंत्री ने महिला बचत सम्मान योजना लॉन्च करने का भी ऐलान किया है। किसानों के लिए भी वित्त मंत्री ने श्री अन्न योजना लॉन्च करने का ऐलान किया है। इसके तहत मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि दुनिया में मंदी के माहौल में भी भारत की आर्थिक ग्रोथ 7% तक रहने का अनुमान है। देश की इकॉनोमी का आकार बढ़ा है और हम दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं।

सस्ता
- एलईडी टीवी
- मोबाइल फोन
- कॉस्मेटिक और दवाइयां
- आर्टिफिशियल हीरे
- मोबाइल कैमरा लैंस
- इलेक्ट्रिक वाहन
- आयरन (प्रेस)
- बायोगैस से जुड़ी चीजें
- माइक्रोवेव
- हीटर
- इंडक्शन
- गीजर

महंगा
- सिगरेट
- टायर
- इले. किचन चिमनी
- गोल्ड बार और प्लेटिनम से बना इंपोर्टेड सामान
- विदेशी साइकिल, इलेक्ट्रिक व्हीकल
- चांदी और उससे बना सामान
- विदेशी खिलौने

मोटे अनाज के लिए रिसर्च सेंटर
वित मंत्री ने मोटे अनाज के पैदावार को लेकर किसानों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने रागी, ज्वार, बाजरा रामदाना आदि का उत्पादन बढ़ाने की बात कही। उन्होंने मिलेट्स रिसर्च सेंटर की स्थापना का अपने बजट भाषण में ऐलान किया। देश को 'श्री अन्न' के लिए वैश्विक केंद्र बनाने के उद्देश्य से हैदराबाद के भारतीय मोटा अनाज अनुसंधान संस्थान को उत्कृष्ट केंद्र के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा।

47 लाख युवाओं को मिलेगा स्टाइपेंड
आम बजट में ऐलान किया गया कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत तीन वर्षों में 47 लाख युवाओं को स्टाइपेंड सहायता प्रदान करने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर शुरू किया जाएगा।

मनरेगा में की गई 13% कटौती
केंद्रीय बजट 2023-24 में ग्रामीण विकास मंत्रालय को 1,57,545 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जोकि चालू वित्त वर्ष में मंत्रालय द्वारा किए गए अनुमानित व्यय से लगभग 13 प्रतिशत कम है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के लिए आवंटन में भी लगभग एक-तिहाई की कटौती की गई है।

मुफ्त राशन स्कीम एक साल बढ़ी
कोरोना के दौर में गरीबों को मुफ्त राशन देने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि इस पर खर्च होने वाली पूरी 2 लाख करोड़ रुपए की रकम केंद्र सरकार दे रही है।

MSME के लिए सरकारी सहायता
स्टार्टअप्स को मिलने वाले इनकम टैक्स बेनेफिट को एक साल के लिए बढ़ाया गया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को 9 हजार करोड़ रुपए की क्रेडिट गारंटी दी जाएगी। इससे उन्हें दो लाख करोड़ रुपए का एक्स्ट्रा कोलेटरल फ्री क्रेडिट मिल सकेगा। यह स्कीम 1 अप्रैल 2023 से ही लागू होगी। इनसे जुड़े विवादों के निपटारे के लिए स्वैच्छिक समाधान योजना नाम की नई स्कीम लाई जाएगी।

रक्षा बजट 13% बढ़ा
इस आम बजट में रक्षा क्षेत्र को 5.94 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह पिछली बार के 5.25 लाख करोड़ से 13% ज्यादा है। सरकार का जोर इस रकम को डिफेंस मशीनरी का घरेलू उत्पादन पर खर्च करने पर है।

सोने की चीजों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ी

बजट में टीवी पैनल के ओपन सेल के पुर्जों पर कस्टम ड्यूटी 5% से घटाकर 2.5% कर दी गई है। वहीं, मोबाइल फोन के कुछ पार्ट्स पर भी इंपोर्ट ड्यूटी घटा दी है। इससे आने वाले समय में टीवी और मोबाइल सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, गोल्ड बार से बनने वाली सोने की चीजों पर बेसिक कस्टम्स ड्यूटी में वृद्धि की गई है। इससे गहने महंगे हो सकते हैं।

बजट 'ऐतिहासिक' पीएम मोदी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा कि 'अमृत काल' के पहले बजट ने विकसित भारत के संकल्प और गरीबों एवं मध्यम वर्ग सहित आकांक्षी समाज के सपनों को पूरा करने के लिए एक मजबूत आधार स्थापित किया है। मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने के लिए सरकार ने पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। साथ ही, उन्होंने 2047 के सपनों को साकार करने में मध्यम वर्ग की क्षमता को भी रेखांकित किया। उन्होंने बजट को 'सर्वस्पर्शी और विकसित भारत के निर्माण को गति देने वाला' बताया।

'मित्रकाल बजट'
कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आम बजट को 'अमृत काल' की बजाय 'मित्रकाल बजट' करार दिया। उन्होंने ट्वीट किया, "मित्रकाल बजट में रोजगार सृजन को लेकर कोई दृष्टिकोण नहीं है, महंगाई से निपटने के लिए कोई योजना नहीं है और असमानता दूर करने का कोई इरादा नहीं है। 1% सबसे अमीर लोगों के पास 40% संपत्ति है, 50% गरीब लोग 64% जीएसटी देते हैं, 42% युवा बेरोजगार हैं। इसके बाद भी प्रधानमंत्री को कोई परवाह नहीं है। सरकार के पास भारत के भविष्य के निर्माण के लिए कोई रूपरेखा नहीं है।"

कृषि ऋण लक्ष्य को 11 प्रतिशत बढ़ाकर किया 20 लाख करोड़ रुपए

खेती के लिए खोली थैली

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकार के वर्ष 2023-24 के प्रस्तावित बजट के संकतों के अनुसार सराकर ने किसानों पर खास ध्यान दिया है। इसके तहत कृषक समुदाय को रियायती दरों पर अधिक कृषि कर्ज देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन पर ध्यान केंद्रित करते हुए अगले वित्त वर्ष के लिए कृषि ऋण लक्ष्य को 11 प्रतिशत बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपए करने की घोषणा की। कृषक समुदाय को रियायती दरों पर अधिक कृषि कर्ज देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। चालू वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कृषि ऋण लक्ष्य 18 लाख करोड़ रुपए है।

सरकार हर साल कृषि क्षेत्र के लिए ऋण लक्ष्य बढ़ा रही है। आमतौर पर, कृषि ऋण पर नौ प्रतिशत की ब्याज दर लगती है। हालांकि, सरकार सस्ती दर पर अल्पकालिक फसल ऋण उपलब्ध कराने और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए ब्याज सहायता प्रदान कर रही है।

पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन को प्रोत्साहन

पीएम-किसान योजना

2.2 लाख करोड़ रु का नकद हस्तांतरण
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि सरकार ने पीएम-किसान योजना के तहत 2.2 लाख करोड़ रुपए का नकद हस्तांतरण किया है। कृषि क्षेत्र में संस्थागत ऋण वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़कर 18.6 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2020-21 में 15.8 लाख करोड़ रुपए था। पीएम-किसान, पीएम-फसल बीमा योजना और कृषि अवसंरचना कोष बनाने जैसी पहल ने इस क्षेत्र की मदद की है। इसके साथ ही सामाजिक-आर्थिक विकास में डिजिटल बुनियादी ढांचे की भूमिका बढ़ी है और भारत ने खुद को ज्ञान केंद्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है।

सहकारी समितियों को प्रोत्साहन
वित्त मंत्री ने प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) और प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों द्वारा नकद जमा और नकद में ऋण के लिए प्रति सदस्य दो लाख रुपए की उच्च सीमा तय करने की घोषणा की। सरकार ने चीनी सहकारी समितियों को आकलन वर्ष 2016-17 से पहले की अवधि के लिए गन्ना किसानों को किए गए भुगतान को व्यय के रूप में दावा करने का मौका भी दे दिया है। इससे उन्हें लगभग 10,000 करोड़ की राहत मिलने की उम्मीद है।

दो प्रतिशत तक है ब्याज सब्सिडी
किसानों को सात प्रतिशत सालाना की प्रभावी दर पर तीन लाख रुपए तक का अल्पावधि कृषि ऋण सुनिश्चित करने के लिए सरकार दो प्रतिशत ब्याज सब्सिडी प्रदान कर रही है।

समुद्री उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा

6000 करोड़ से शुरू होगी मत्स्य संपदा योजना
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की एक नई उप-योजना 6,000 करोड़ रुपए के लक्षित निवेश के साथ शुरू की जाएगी। समुद्री उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए झींगा मछली के चारे के घरेलू विनिर्माण के लिए प्रमुख लागतों पर सीमा शुल्क भी कम किया जाएगा।

यह है मकसद
- मछुआरों, मछली विक्रेताओं और सूक्ष्म और लघु उद्यमों की गतिविधियों को और प्रभावी बनाया जा सके।
- मूल्य श्रृंखला क्षमता में सुधार किया जा सके।
- मत्स्यपालन के लिए बाजार का विस्तार किया जा सके।

वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा

पीएम-प्रणाम योजना
बजट में राज्यों को वैकल्पिक उर्वरकों के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कृषि प्रबंधन योजना (पीएम-प्रणाम) प्रस्तावित की गई है। इस कदम से राज्यों को उर्वरकों का उपयोग कम करने में प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी।

गांवों की बदलेगी तस्वीर: 'गोबरधन' योजना में 10,000 करोड़ का निवेश
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि संसाधनों के महत्तम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकॉनमी) को बढ़ावा देने के लिए 'गोबरधन' (गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज धन) योजना के तहत 500 नए 'कचरे से संपदा' निर्माण करने वाले संयंत्रों की स्थापना की जाएगी। इनमें शहरी क्षेत्रों में 75 संयंत्रों सहित 200 संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र तथा 10,000 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ 300 समुदाय या क्लस्टर आधारित संयंत्र शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की सुविधा प्रदान करेगी ।इसके अलावा सरकार नई मिष्टी योजना के तहत समुद्र तट के किनारे 'मैंग्रोव' पौधरोपण करेगी। **किसानों व पशुपालकों को होगा लाभ:** गोबरधन योजना से देश के किसानों और पशुपालकों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है

होगा आद्रभूमि का अधिकतम उपयोग
सीतारमण ने यह भी कहा कि सरकार आर्द्रभूमि के महत्तम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक योजना के माध्यम से संरक्षण मूल्यों को बढ़ावा देगी।इसके अलावा, कंपनियों द्वारा पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ और जिम्मेदार कार्यों को प्रोत्साहित करने के लिए एक हरित ऋण कार्यक्रम को अधिसूचित किया जाएगा।

यह बोले विशेषज्ञ
"बजट कार्बन तीव्रता को कम करने और नए हरित रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए हरित ईंधन, ऊर्जा और निर्माण प्रथाओं को अपनाने को प्राथमिकता देता है। इस हरित विकास दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता सभी भारतीयों के लिए एक स्वच्छ और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण की दिशा में एक कदम है।

गौरव केडिया, अध्यक्ष इंडियन बायो गैस एसोसिएशन

गोपालपुरा बाईपास की झलकियाँ....

नैतिक मूल्यों का पतन...

गोपालपुरा बायपास पर ज़ीरो सेटबैक पर खड़ी अवैध बिल्डिंग्स एवं कोचिंग संस्थानों के पास संचालित शराब के ठेकों व बियर बारों की ख़बर लगातार प्रकाशित।

आख़िर क्यों?

अधिगम संस्थान पर ही क्यूं चला जेडीए का पंजा

कोचिंग संस्थानों के आसपास शराब की दुकानें, जाम होता ट्रैफ़िक और बढ़ रही आपराधिक गतिविधियाँ क्या जेडीए को नज़र नहीं आ रहीं बिल्डिंग्स व कोचिंग बायलॉज के हिसाब से सबको नोटिस देने की बजाय आवासीय इमारतों को कमर्शियल पट्टे बाँटने की तैयारी कर रहा है जेडीए?

कहाँ हैं बिल्डिंग्स व कोचिंग बायलॉज

फायर के पुख्ता इंतज़ाम, पार्किंग की व्यवस्था, आने-जाने के दो द्वार, सेटबैक, स्टूडेंट की सीट सीमा। सब नियम ताक में रख दिए हैं।

आधी सड़क घेरती पार्किंग।

गोपालपुरा बाइपास पर जाम।

क्या पुलिस विभाग को यहां फैली अशांति व अनैतिक गतिविधियाँ नज़र नहीं आती?

एक इमारत में कई कोचिंग सेंटर।

क्या आबकारी विभाग शैक्षणिक क्षेत्रों में चल रही शराब की दुकानों के लिए ज़िम्मेदार नहीं है जबकि आस्था के केंद्र शिक्षा के क्षेत्र से यह दुकानें 500 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए?

किताबों के पास शराब की दुकान।

ट्रैफ़िक जाम।

सड़क घेरती बंसल कोचिंग।

पार्किंग से सड़क जाम।

कार पार्किंग से घिरती सड़क।

अवैध पार्किंग।

आधी सड़क घेरती पार्किंग।

कोचिंग सेंटर।

क्या शिक्षा विभाग इन कोचिंग संस्थानों के बायलॉज हेतु कभी ठोस कदम नहीं उठाएगा? विद्यालयों का अस्तित्व खत्म हो रहा है। कोचिंग के व्यापार अनैतिकता और नशा परोस रहे है। कोचिंग व्यापार नैतिक मूल्यों का नाशक बन बैठा है।

सड़क जाम...

पार्किंग मुख्य सड़क पर।

गोपालपुरा बाईपास पर अगर इन कोचिंग भवनों में आगजनी हो जाए तो उसे नियंत्रण में लेना दूभर हो जाए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)